Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार मूर्तियां एवं समस्त पूजन सामग्री संगमरमर व पीतल की मूर्तियां राशि रत्न एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक ख़बरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 07, अंक 158 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रुपये | रायपुर, सोमवार 11 अगस्त 2025 | www.samaydarshan.in

दुनिया ने नए भारत का चेहरा देखा, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बोले मोदी

डिजिटल क्रांति का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे...

बंगलूरू/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कर्नाटक की राजधानी बंगलूरू का दौरा किया। यहां उन्होंने बंगलूरू को कई सौगातें दीं और एक कार्यक्रम को संबोधित भी किया। उन्होंने 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के बाद मैं पहली बार बंगलूरू आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना की सफलता, सीमा पार कई किलोमीटर तक आतंकवादी ठिकानों को तबाह करने की हमारी क्षमता और आतंकवाद के बचाव में आए पाकिस्तान को कुछ ही घंटों में घुटने टेकने पर मजबूर करने की हमारी क्षमता देखी गई।'पीएम मोदी ने कहा, 'पूरी दुनिया ने नए भारत के इस स्वरूप के दर्शन किए हैं। ऑपरेशन सिंदूर की इस सफलता के पीछे बहुत बड़ी वजह हमारी टेक्नोलॉजी और डिफेंस में मेक इन इंडिया की ताकत है। इसमें बंगलूरू और कर्नाटक के युवाओं का भी बहुत बड़ा योगदान है। मैं इसके लिए भी आप सभी का अभिनंदन करता हूं।' इससे पहले उन्होंने कहा, 'कर्नाटक की धरती पर कदम रखते ही अपनापन सा महसूस होता है। यहां की संस्कृति, यहां के लोगों का प्यार और कन्नड़ भाषा की मिठास दिल को छू जाती है।'पीएम मोदी ने कहा कि बंगलूरू को हम एक ऐसे शहर के रूप में उभरता देख रहे हैं, जो न्यू इंडिया के राइज का सिंबल बन चुका है। एक ऐसा शहर... जिसकी आत्मा में तत्व ज्ञान है और जिसके एक्शन में टेक ज्ञान है। एक ऐसा शहर... जिसने ग्लोबल आईटी मैप पर भारत का परचम

लहराया है। हम बंगलूरू को नए भारत के उदय का एक सच्चा प्रतीक बनते हुए देख रहे हैं। एक ऐसा शहर जिसने भारत को वैश्विक आईटी नक्शे पर गर्व से स्थापित किया है। बंगलूरू की उल्लेखनीय सफलता की कहानी के पीछे प्रेरक शक्ति इसके लोगों की असाधारण प्रतिभा और सरलता है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था है। पिछले 11 वर्षों में हमारी अर्थव्यवस्था 10वें स्थान से ऊपर उठकर शीर्ष पांच में पहुंच गई है। अब हम शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओर तेजी से बढ़ रहे हैं। हमने यह गति कैसे हासिल की? यह हमें रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म की भावना से मिली है। हमने यह गति नेक इरादों और ईमानदार प्रयासों से हासिल की है। उन्होंने कहा कि 2014 में मेट्रो सिर्फ पांच शहरों तक सीमित थी। अब 24 शहरों में 1000 किलोमीटर से ज्यादा का नेटवर्क है। 2014 से पहले लगभग 20,000 किलोमीटर रेलमार्ग का विद्युतीकरण था। हमने पिछले 11 वर्षों में ही 40,000 किलोमीटर से ज्यादा रेलमार्ग का विद्युतीकरण किया है। 2014 तक भारत में सिर्फ 74 हवाई अड्डे थे। अब इनकी संख्या बढ़कर 160 से ज्यादा हो गई है। जलमार्गों के आंकड़े भी उतने ही प्रभावशाली हैं। 2014 में सिर्फ 3 राष्ट्रीय जलमार्ग चालू थे। अब ये संख्या बढ़कर 30 हो गई है।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'डिजिटल समाधानों की पहुंच गांव-गांव तक पहुंच गई है। दुनिया के 50त्न से ज्यादा रीयल-टाइम लेन-देन भारत में क्क्ढ्ढ के जरिए होते हैं। तकनीक की मदद से हम सरकार और नागरिकों के बीच की खाई को पाट रहे हैं। अब हम ्ढ्ढ-संचालित खतरे का पता लगाने जैसी तकनीकों में भी निवेश कर रहे हैं। हमारा प्रयास यह सुनिश्चित करना है कि देश में डिजिटल क्रांति का लाभ समाज के प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। बंगलूरू इस प्रयास में सक्रिय रूप से काम कर रहा है।' प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, 'मौजूदा उपलब्धियों में हमारी अगली बड़ी प्राथमिकता 'टेक-आत्मनिर्भर भारत' होनी चाहिए। अब समय आ गया है कि हम भारत की जरूरतों को और ज्यादा प्राथमिकता दें और नए उत्पाद विकसित करने में तेजी से आगे बढ़ें।'

'जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट'- उन्होंने कहा, 'हमें मेक इन इंडिया में बंगलूरू और कर्नाटक की उपस्थिति को और मजबूत करना होगा। मेरा आग्रह है कि हमारे उत्पाद जीरो डिफेक्ट, जीरो इफेक्ट के मानकों के अनुरूप हों।

बुलंदशहर में बाढ़ से भारी तबाही- चार मंदिर और तीन धर्मशालाएं बहीं,फसलों को भारी नुकसान...

बुलंदशहर/ एजेंसी। लगातार बढ़ रहे जलस्तर से अब गंगा रौद्र रूप ले चुकी है। यूपी के बुलंदशहर स्थित सिद्धबाबा घाट पर चार मंदिर व दो धर्मशाला पानी में समा गईं। घाट पर बनी करीब 10 मीटर सीसी सड़क भी बह गई। पानी खेतों से 10 गांवों की ओर बढ़ने के साथ रास्तों पर पहुंच गया, जिससे परेशानी बढ़ गई। नरौरा बैराज पर पानी खतरे के निशान से 62 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच गया। अभी जलस्तर और बढ़ने की संभावना है। फसलों को लेकर किसान चिंतित हैं। वन विभाग की ओर से गंगा किनारे लगाए गए हजारों पौधे भी पानी में बह गए। प्रशासन भी अलर्ट हो गया है। पहाड़ों में हो रही बारिश और बिजनौर बैराज से लगातार छोड़े जा रहे पानी से गंगा का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। अहार में रविवार को गंगा ने रौद्र रूप ले लिया। सिद्ध बाबा गंगा घाट के किनारे पर बने गंगा मंदिर, हनुमान मंदिर, गुरु गोरखनाथ मंदिर, जाहरवीर बाबा मंदिर और श्रद्धालुओं को ठहरने के लिए बनी दो धर्मशालाओं को गंगा ने अपने आगोश में ले लिया।

ट्रंप का नाम लिए बिना राजनाथ ने कसा तंज

सबके बॉस तो हम हैं,कुछ लोग भारत के विकास से खुश नहीं

भोपाल/ एजेंसी

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज मध्य प्रदेश के रायसेन जिले के दौरे पर हैं। जिले के उमरिया गांव में औबेदुल्लागंज के दशहरा मैदान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने रेल कोच इकाई का भूमिपूजन किया। इस दौरान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने बिना नाम लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर हमला बोला। राजनाथ सिंह ने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं जो भारत के विकास की रफ्तार से खुश नहीं हैं। उन्हें यह अच्छा नहीं लग रहा। 'सबके बॉस तो हम हैं'। भारत इतनी तेजी से कैसे आगे बढ़ रहा है? कई लोग कोशिश कर रहे हैं कि भारत में, भारतीयों के हाथों से बनी चीजें उन देशों में बनी चीजों से ज्यादा महंगी हो जाएं, ताकि जब ये चीजें महंगी हो जाएं तो दुनिया इन्हें न खरीदे। यह प्रयास किया जा रहा है। लेकिन, भारत इतनी तेजी से आगे बढ़ रहा है कि मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं, अब दुनिया की कोई ताकत भारत को विश्व की एक बड़ी ताकत बनने से नहीं रोक सकती।रक्षा क्षेत्र को लेकर

राजनाथ सिंह ने कहा- कि आपको यह जानकर खुशी होगी कि अब हम 24 हजार करोड़ रुपये से अधिक के रक्षा सामान का निर्यात कर रहे हैं। यही भारत की ताकत है, यही नए भारत का नया रक्षा क्षेत्र है, हमारा निर्यात लगातार बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा- आतंकवादी आए और लोगों को उनका धर्म पूछकर मार डाला। हमने भी तय किया कि हम किसी को धर्म पूछकर नहीं मारेंगे।

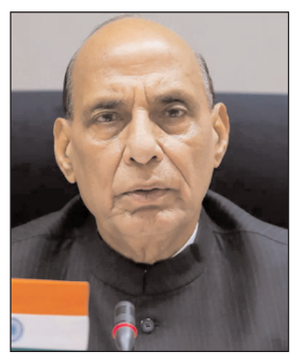

बल्कि उनके कर्म देखकर मारेंगे। हमने ऐसा ही किया किया। जब रावण ने सीता जी का अपहरण किया, वह लंका में थीं। जब हनुमान जी वहां पहुंचे तो उन्होंने लंका में हाहाकार मचा दिया। जब वे सीता जी के पास पहुंचे तो सीता जी ने बहुत विनम्रता से कहा, 'अरे हनुमान! यह तुमने क्या कर दिया? लंका में इतना हंगामा क्यों मचाया? इतने लोगों को क्यों मार डाला?' तब हनुमान जी बहुत विनम्र होकर, हाथ जोड़कर बोले, 'अरे माता, जिन मोहि मारा, तिन मैं मारे।' जिन्होंने हमारे लोगों को मारा, हमने भी उन्हें ही मारा।

'मॉडर्न प्रदेश' के नाम से जाना जाएगा एमपी- कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजनाथ सिंह ने मध्य प्रदेश की तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रदेश के विकास को देखकर मैं कह सकता हूं कि आने वाले वर्षों में इसे 'मॉडर्न प्रदेश' के नाम से जाना जाएगा। आज जिस रेल कोच फैक्ट्री का शिलान्यास किया गया, मैंने देखा कि आपने इसका नाम 'ब्रह्मा' रखा है। सृष्टिकर्ता के नाम पर इस इकाई का नाम रखना अपने आप में एक बहुत ही अद्भुत सुझाव है। मुझे पूरा विश्वास है कि यह इकाई, अपने नाम से प्रेरणा लेकर और उसे साकार करते हुए, उत्पाद निर्माण के मामले में नई ऊंचाइयों को छुएगी।

संक्षिप्त समाचार

बाल संस्कार विद्यालय में वैदिक परम्परा के अनुकूल मनाया रक्षाबंधन पर्व

साजा (समय दर्शन)। बाल संस्कार शिशु मंदिर बरगा में शुक्रवार को रक्षाबंधन महोत्सव बड़े ही हर्षोल्लास और सांस्कृतिक गरिमा के साथ मनाया गया। विद्यालय की बहनों ने प्रेम, श्रद्धा और शुभ संकल्पों के साथ भाइयों की कलाई पर रक्षासूत्र (राखी) बांधा। संस्था प्रमुख डॉ रेवाराम पाल ने बच्चों को प्रेरित करते हुए कहा कि भविष्य पुराण के अनुसार सावन पूर्णिमा पर धारण किया गया रक्षासूत्र रोग एवं अशुभ कार्यों का नाश कर मनुष्य को वर्षभर रक्षा प्रदान करता है। इसी भावना के साथ बहनों ने भाइयों के ललाट पर तिलक कर मिष्ठान का वितरण किया और उनके उत्तम, संयमी एवं संस्कारी जीवन की मंगलकामना की।कार्यक्रम में वैदिक परंपरा, भाई-बहन के पावन रिश्ते की मर्यादा और समाज में संयम व सदाचार के प्रसार का संदेश दिया गया। बहनों ने यह भी संकल्प दिलाया कि पड़ोस की बहन भी अपनी बहन है और उसकी सुरक्षा करना हर भाई का धर्म है। रक्षाबंधन पर्व पर श्रवण कुमार की सेवा भावना और माता-पिता के प्रति कर्तव्यनिष्ठा का भी स्मरण कराया गया, ताकि नई पीढ़ी में संस्कारों का संचार हो।इस अवसर पर विद्यालय की सभी शिक्षिकाएं गायत्री साहू, तिलेश्वरी साहू, अनुराधा यादव, पूर्णिमा साहू, रोमा निषाद, गीतेश्वरी साहू, सीता लहरे, सरोज साहू एवं दिव्या साहू उपस्थित रहीं और कार्यक्रम को सफल बनाया।

उमेश सिंह का वादा : 30 दिनों में सुधरेगी ट्रांसपोर्टिंग, बीटीओए सदस्यों की समस्याएं होंगी दूर

किरंदुल। बैलाडीला ट्रक ओनर एसोसिएशन (बीटीओए) का वार्षिक चुनाव 13 अगस्त को होने वाला है, और जैसे-जैसे मतदान का दिन नजदीक आ रहा है, उम्मीदवारों का प्रचार अभियान चरम पर पहुंच गया है। प्रत्याशी घर-घर जाकर मतदाताओं से समर्थन मांग रहे हैं, क्योंकि अब केवल दो दिन शेष हैं। इस दौरान उम्मीदवार अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं। चुनाव में दो प्रमुख पैनल आमने-सामने हैं। एक ओर मनोज सिंह का पैनल है, जिसके समर्थक इस बार जीत को लेकर आश्वस्त हैं तो दूसरी ओर, उमेश सिंह का पैनल है, जो अपने उम्मीदवारों और मतदाताओं पर पूरा भरोसा जता रहा है। उमेश सिंह ने कहा कि बीटीओए के मतदाता उन्हें पूर्ण समर्थन देंगे और उनके चुनाव चिह्न 'हाथी' की सवारी करेंगे। उमेश सिंह ने स्पष्ट किया कि उनका राजनीति उनका पेशा नहीं है। वे बीटीओए सदस्यों की समस्याओं को देखकर चुनावी मैदान में उतरे हैं। उनका लक्ष्य सदस्यों की परेशानियों को दूर करना है, ताकि उनकी गाड़ियां सुचारू रूप से चल सकें और किस्त भुगतान में कोई दिक्कत न हो। उन्होंने कहा कि अक्सर समय पर भाड़ा न मिलने, ट्रांसपोर्टिंग में देरी और चेक क्लियर होने में लगने वाले समय के कारण सदस्यों को परेशानी होती है, जिससे गाड़ियां खींचने की नौबत आ जाती है। उमेश सिंह ने वर्तमान कमेटी पर 'रिमोट कंट्रोल' से चलने का आरोप लगाया, हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि इसके पीछे कौन है। उन्होंने बीटीओए को अपना परिवार बताते हुए कहा कि सदस्यों की परेशानी उनकी अपनी परेशानी है। उन्होंने मतदाताओं से 'हाथी' के पक्ष में मतदान करने की अपील की। उमेश सिंह ने वादा किया कि जीतने पर 30 दिनों के भीतर बचेली और किरंदुल में ट्रांसपोर्टिंग की व्यवस्था सुधारी जाएगी। सभी वाहनों का संचालन सुचारू होगा, ट्रांसपोर्टिंग के लिए स्थान उपलब्ध कराया जाएगा, और चालकों के लिए शौचालय की व्यवस्था की जाएगी। इसके अलावा, चेकिंग के दौरान समय समन्वय स्थापित कर देरी कम की जाएगी और किसी भी समस्या का तुरंत समाधान किया जाएगा।

प्रख्यात गीत लेखक घनाराम पुरबिया का निधन

दुर्ग। डिपरापारा निवासी प्रख्यात गीत लेखक घनाराम पुरबिया (सोनकर) 71 वर्ष का रविवार को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 11 अगस्त, सोमवार को सुबह 9 बजे निवास स्थान डिपरापारा से शिवनाथ नदी मुक्तिधाम दुर्ग के लिए रवाना होगी।वे राजनांदगांव पुलिस विभाग में प्रधान आरक्षक मानव कुमार सोनकर, हेमंत सोनकर, प्रचण्ड सोनकर के पिताजी एवं आपापूरा वार्ड की पूर्व पार्षद रचना सोनकर के ससुर जी थे।

भाजपा नेता जितेंद्र वर्मा का सेलूद में मनाया जन्म दिन, पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया

पाटन (समय दर्शन)। भाजपा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष और बोल बम कांवर समिति के अध्यक्ष भाजपा नेता जितेंद्र वर्मा का जन्म दिन आज धूमधाम से ग्राम सेलूद में मनाया गया। इस अवसर पर जन्म दिन मनाने पहुंचे नागरिकों ने बधाई दिया। इसके बाद सभी ने मिलकर पौधारोपण किया। भाजपा नेता जितेंद्र वर्मा ने कहा कि खबरनामा ग्रुप बहुत अच्छा कार्य कर रहा है। मैं जब से शुरू किया हु इस जगह पर आने का तब से लगातार आ रहा हू। पार्टी अपनी जगह अलग है। लेकिन यहां पर आकर मैं समझता हूं की अपने परिवार के बीच आया हूं। उन्होंने कहा कि वे आगे भी लगातार आता ही रहूंगा। कार्यक्रम का संचालन पत्रकार सुरेंद्र शर्मा ने किया। जन्म दिन समारोह को नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष निक्की भाले, धनराज साहू, कांग्रेस नेता पुरुषोत्तम तिवारी, भाजपा महामंत्री कृष्णा साहू, सरपंच बबलू

मार्कण्डेय सहित अन्य ने संबोधित किया। धान खरीदी केन्द्र सेलुद पाटन जिला दुर्ग में बरगद के पौधे रोपण किया गया। इस अवसर पर पाटन नगर पंचायत अध्यक्ष निक्की योगेश भाले धान खरीदी केन्द्र सेलुद के प्राधिकृत अध्यक्ष टामन लाल साहु पाटन जनपद के विधायक प्रतिनिधि अध्यक्ष जवाहर वर्मा वरिष्ठ नेता पुरुषोत्तम तिवारी ग्राम पंचायत सेलुद के सरपंच खिलेश मारकंडे वरिष्ठ पत्रकार सुरेन्द्र शर्मा पुर्व मंडल अध्यक्ष धनराज साहू पुर्व मंडल अध्यक्ष फत्तेलाल वर्मा जनपद सदस्य चित्रसेन कलिहारी केवल देवाँगन हरप्रसाद आडिल केशव बंछोर महेश्वर बंछोर देवचरण कौशल माधव वर्मा समीर बंछोर केवल देवाँगन कृष्ण कुमार साहु रामलाल साहू ढौर छत्रपाल सिंह राजपूत बलराम वर्मा बलराम यादव द्वारिका प्रसाद मुकेश साहू त्रिभुवन यदु राकेश साहु गोपेश साहू मनोज देवाँगन लोकेश्वर साहु यमन कुमार मढरिया सहायक समिति प्रबंधक सेलुद रोमन दास वैष्णव बैंक के पर्यवेक्षक लक्ष्मी नारायण चंद्राकर युनियन अध्यक्ष विकास मढरिया टीकाराम देवांगन कृष्ण कुमार साहू सतीश पारख उतई राजकुमार यादव अशोक जैन राजेंद्र प्रसाद साहू, रवि पटेल जयंत साहु बल्लु राय लक्ष्मण यादव दिलीप कुर्रे गोरेलल श्रीवास पुरण साहु राजु साहु सतीश पारख गोपेश साहु रमेश देवाँगन जयप्रकाश साहु चन्दु देवाँगन श्रवण यदु लालजी साहु हिरेन्द्र वर्मा लक्ष्मी पटेल लेखराम साहु देवचरण कौशल सनत वर्मा गोरेलाल श्रीवास पुनऊ साहू राजीव साहू केवल देवाँगन सतेन्द्र नायक मदन बढई देव ठाकुर राजीव साहु शुभम् वर्मा सागर सोनी वासु वर्मा होरीलाल वर्मा रोशन मार्तड शुभम् सोनी हरिशंकर साहू योगेश सोनवानी चंद्रिका बंजारे उपस्थित थे।।

श्मशान घाट की भूमि पर रसुखदारों का कब्जा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। ग्राम शिकारी टोला के शमशान घाट की भूमि पर अवैध कब्जा का मामला सामने आया है। मामला प्रकाश में आते ही चर्चा का विषय बन गया है। बता दें कि, आदर्श सतनामी समाज शिकारीटोला के पदाधिकारियों के द्वारा एसडीएम को एक शिकायत पत्र सौंपा गया है जिसमें साफलिखा है कि, शमशान घाट की भूमि पर हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी में निवास करने वाले अंशद सिंह वल्द दविंदर सिंह ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है, जिसे हटाने की मांग को लेकर ही एसडीएम से पदाधिकारियों ने शिकायत की है। शिकायत में यह भी बताया गया है कि, राजस्व निगम मंडल ऊपरवाह के अंतर्गत जराही पंचायत के अंतर्गत खसरा नंबर 341/1 रकबा 0.5830 एक हेक्टेयर (1.44 एकड़) और खसरा नंबर 341/2 (रकबा 0.4890 हेक्टेयर/1.21 एकड़) कुल खसरा 02

कुल रकबा 2.85 एकड़ ग्राम शिकारी टोला प.ह.नं. 15 रा. नि. मंडल ऊपरवाह तहसील व जिला राजनांदगांव में सतनामी समाज के द्वारा उक्त शमशान घाट में पिछली तीन पीढ़ियों से शव का अंतिम संस्कार करते आ रहे हैं। वहां अंशद सिंह के द्वारा प्रशासन और ग्रामीणों को अंधेरे में रखते हुए गुपचुप तरीके से बेजा कब्जा कर लिया गया है। जिसको लेकर समस्त ग्रामवासी और सतनामी समाज में आक्रोश व्याप्त है। सतनामी समाज ने एसडीएम से उक्त शमशान घाट की भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करते हुएए सतनामी समाज को सौंपने की मांग की है।

पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे की अंतिम कृति का हुआ विमोचन, कार्यक्रम में आभा श्रीवास्तव ने किया प्रतिनिधित्व

राजनांदगांव (समय दर्शन)। पद्मश्री डॉ. सुरेन्द्र दुबे की अंतिम कृति मैं छत्तीसगढ़ बोलता हूं का विमोचन रायपुर के समता कॉलोनी स्थित महाराज अग्रसेन कॉलेज सभागार में गरिमामय माहौल में हुआ। इस अवसर पर राजनांदगांव से आभा श्रीवास्तव ने नगर का प्रतिनिधित्व किया।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। देश के अनेक नामी साहित्यकारों की मौजूदगी ने समारोह को विशेष बना दिया।

इस आयोजन की खास बात यह रही कि इस पुस्तक के विमोचन हेतु डॉ. सुरेन्द्र दुबे ने स्वयं हाल बुक

किया था और अपने जन्मदिन पर विमोचन करवाने का मन बनाया था। लेकिन अकस्मात् निधन के कारण यह जिम्मेदारी उनकी पत्नी ने संभाली और जन्मदिन के अवसर पर ही कृति का विमोचन किया।

आभा श्रीवास्तव ने बताया कि उन्हें कई अवसरों पर डॉ. दुबे के साथ मंच साझा करने का सौभाग्य मिला है और यह उनके लिए गर्व का विषय है कि वे उनकी अंतिम कृति के विमोचन के साक्षी बनीं।

सीबीएसई फार ईस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप का संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूलन में भव्य आगाज

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल में बुधवार को सीबीएसई फार ईस्ट जोन जूडो चैंपियनशिप 2025-26 का औपचारिक शुभारंभ धूमधाम से हुआ। मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक मोहित गर्ग ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण और फीता काटकर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस अवसर पर शहर और प्रदेश के खेल जगत से जुड़े कई गणमान्य अतिथि मौजूद रहे।

अतिथियों में छत्तीसगढ़ जूडो संघ के सचिव शंभूराम सोनी, छत्तीसगढ़ वुशू एसोसिएशन के महासचिव डी. कोंडय्या, 38 एनसीसी बटालियन के प्रभारी सूबेदार जसवंत सिंह, जिला क्रीड़ा अधिकारी देवेंद्र ठाकुर, श्रम अधिकारी संजय सिंह, सीबीएसई पर्यवेक्षक करण कुमार मेहता, शाला प्रबंधक मंडल के अध्यक्ष ललित अग्रवाल व सचिव अतुल देशलहरा, डॉ. गुरप्रीत कौर छाबड़ा, डॉ. टी. कुमार, प्राचार्या रेखा तिवारी और अशोक पारख विशेष रूप से शामिल हुए।

मुख्य अतिथि मोहित गर्ग ने कहा कि जूडो केवल खेल ही नहीं बल्कि आत्मरक्षा का एक मजबूत माध्यम भी है। इससे अनुशासन, आत्मविश्वास और सतर्कता का विकास होता है।

5 अगस्त को खिलाड़ियों का

पंजीयन हुआ था। 6 अगस्त को अंडर-11 वर्ग के लड़के और लड़कियों के रोमांचक मुकाबले शुरू हुए, जिन्हें छत्तीसगढ़ जूडो संघ के अधिकारियों ने संचालित किया। दर्शकों ने पूरे जोश के साथ खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया।

अंडर-11 वर्ग में स्वर्ण पदक विजेताओं में लड़कों में 25 किग्रा तक चिस्ट्री मंडावी (विद्या ज्योति स्कूल, जगदलपुर), 30 किग्रा तक मानित अग्रवाल (दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल), 35 किग्रा तक अराध्य सिरमौर (दिल्ली पब्लिक स्कूल, बिलासपुर), 40 किग्रा तक सक्षम साहू (आधारशिला स्कूल, भाटापारा), 40 किग्रा से अधिक कुलदीप सिंह (दिल्ली पब्लिक स्कूल, बिलासपुर) शामिल है। वहीं लड़कियों में 25 किग्रा तक चित्रांक्षी साहू (आधारशिला स्कूल, भाटापारा), 30 किग्रा तक वेदिका सैनी (दिल्ली वर्ल्ड पब्लिक स्कूल), 35 किग्रा तक श्रिष्टी निर्मल (लोयला स्कूल, बिलासपुर), 40 किग्रा तक भावना नेताम (संस्कार सिटी इंटरनेशनल स्कूल राजनांदगांव) शामिल है। वहीं अंडर-14 वर्ग लड़कियों में 44 किग्रा तक भूमिष्ठा दास (अवर एबीसी अकैडमी, असमद्ध) शामिल है।

वहीं अंडर-17 वर्ग लड़कों में 50 किग्रा तक गगन कौशिक (मार बेसिलियोस विद्या भवन, भिलाई) शामिल है। वहीं अंडर-19 वर्ग लड़कों में 50 किग्रा तक दानशी पंगटोक (अवर एबीसी अकैडमी, असम) शामिल है।

संस्था के प्रबंधक मंडल के अध्यक्ष ललित अग्रवाल और सचिव अतुल देशलहरा ने सभी खिलाड़ियों और अतिथियों का स्वागत किया। प्राचार्या रेखा तिवारी ने कहा कि इस तरह की प्रतियोगिताएं विद्यार्थियों को मंच प्रदान करने के साथ-साथ उनके आत्मविश्वास और नेतृत्व क्षमता को भी बढ़ाती हैं।

सावन सुंदरी महोत्सव में छाई हरियाली की छटा, सांस्कृतिक रंग में रंगा पुलिस लाइन परिसर

राजनांदगांव (समय दर्शन)। सावन की हरियाली और उमंग से सराबोर माहौल में पुलिस लाइन परिसर में सावन सुंदरी महोत्सव का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पारंपरिक रंग.बिरंगे परिधानों में सजी महिलाओं ने सावन के गीतों पर नृत्य कर समां बांध दिया। महोत्सव में सावन की थीम पर आधारित साज-सज्जा, कविता पाठ, कहानी सत्र, गीत-संगीत और विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य प्रकृति संरक्षण, हरियाली के महत्व को रेखांकित करना और सांस्कृतिक परंपराओं को जीवंत बनाए रखना रहा। संयोजिका डॉ. तेजमाला देशमुख ने बताया कि सावन महोत्सव प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है, जिसे इस वर्ष भी बड़े उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से हम न केवल अपनी संस्कृति को सहेजते हैं, बल्कि पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को भी समझते हैं।

प्रतियोगिताओं में भाग लेने वाली महिलाओं ने पारंपरिक गीतों और वेशभूषा के माध्यम से सावन के सौंदर्य को जीवंत कर दिया। हरियाली थीम पर आधारित प्रस्तुतियों को उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित कर प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में पुलिस लाइन की महिलाओं का विशेष योगदान रहा, जिनमें प्रमुख रूप से पूर्णिमा साहू, जमुना साहू, शीला डहरिया, कंचन तारम, ललिता सलामे, खेमलता साहू, श्यामा देशमुख, रंजना साहू, तरुणा निर्मलकर, ज्योति ठाकुर, पम्मी देशमुख और हिमांशी देशमुख सहित अनेक महिलाएं शामिल रहीं। सावन की मस्ती, पारंपरिक गीतों की मिठास और हरियाली के संदेश के साथ यह आयोजन नारी शक्ति और प्रकृति के अद्भुत मेल का प्रतीक बनकर सामने आया।

आदिवासी समाज का राजनीतिकरण कर रही भाजपा - देवती महेंद्र कर्मा

बस्तर की खनिज सम्पदाओं को लूटने के लिए आदिवासियों को आपस मे लड़वा रही है भाजपा

अडानी - मित्तल को बस्तर की खनिज सम्पदाओं को देने की तैयारी, स्थानीय विरोध खत्म करने मुख्यमंत्री ने बनवाया नया सामाजिक संगठन

भाजपा द्वारा पूरे प्रदेश में 'सर्व आदिवासी समाज' को निष्क्रिय कर अपने पदाधिकारियों के साथ अपना नया 'छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज' का किया गठन

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। दंतेवाड़ा बस्तर संभाग मूलत: एक आदिवासी बहुल क्षेत्र है और आदिवासियों के संरक्षण के लिए इसे संविधान द्वारा पांचवी अनुसूचित क्षेत्र में रखा गया है ताकि इस विशेष अधिकारों के साथ आदिवासी क्षेत्र एवं आदिवासियों को संरक्षित किया जा सके । अपनी एकजुटता और हक के लिए कई दशकों से जिले में सर्व आदिवासी समाज भी स्थानीय स्तर पर सामाजिक कार्यो को करता आया है । आदिवासी परंपरा में सामाजिक एकजुटता और जल जंगल जमीन के संरक्षण से बड़ा कुछ नही होता है और इस विचारधारा को प्रमुखता से आगे बढ़ाने का काम सर्व आदिवासी समाज करती आई है । पर अब छत्तीसगढ़ में भाजपा की डबल इंजन सरकार आते ही भाजपाई इस सामज को भो तोड़ने का काम कर रही है । जिसका हालिया प्रमाण देखने को मिला 9अगस्त को विश्व मूल आदिवासी दिवस के दिन जब जिले में दो - दो

सामाजिक कार्यक्रम हुये । एक सामाजिक संगठन सर्व आदिवासी समाज जो कई दशकों से जिले में सक्रिय है तो वही दूसरा छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज जिसे हाल ही में भाजपा संगठन के संरक्षण में नया गठित किया गया है ।

इस पूरे मामले में पूर्व विधायक देवती महेंद्र कर्मा ने अपना बयान जारी करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और आरएसएस द्वारा बनाया गया यह नया छत्तीसगढ़ सर्व आदिवासी समाज मूलत: सिर्फ भाजपा के कार्यकर्ताओ ने आपने फयदा के लिए बनाया है । जिस पर देवती कर्मा ने साफ कहा कि भाजपाई और आरएसएस की मंशा सिर्फहम आदिवासियों को आपस मे लड़वाना है । प्रदेश के मुख्यमंत्री चाहते है कि समाज की एकजुटता को खत्म कर दिया जाए और समाज को तोड़कर दिल्ली में बैठे अपने आकाओं को खुश किया जाए जिससे बड़ी आसानी से निजी उद्योगपतियों को बस्तर के खनिज सम्पदाओं को बेचा जा सके । देवती कर्मा ने कहा कि दशकों से यही सर्व आदिवासी समाज है जो हमारे लोगो के हक़ की लड़ाई लड़ते आया है और पूर्व में हमारी आदिवासी संस्कृति से लेकर हमारी वन - खनिज सम्पदाओं को बचाती आई है । इस समाज ने अडानी से लेकर आरती स्पॉन्ज आयरन तक और एनएमडीसी से लेकर मित्तल तक का जमीनी विरोध कर आदिवासियों को अपना हक दिलाया है ।

देवती कर्मा ने कहा की जब पूर्व में हमारी कांग्रेस की सरकार थी तब कभी किसी भी कांग्रेसी ने समाज के मामले में हस्तक्षेप नही किया, ना ही कोई कांग्रेसी कभी सामाजिक संगठन का हिस्सा रहा, परन्तु आज भाजपाइयों द्वारा गठित इस सामाजिक संगठन से साफ नजर आता है कि कैसे अपने पार्टी के पदाधिकारियों को जोड़ कर जो नया संगठन बनाया गया है वह सिर्फ अपने पार्टी और अपने आकाओं का स्वार्थ सिद्ध करने के लिए बनाया गया है । यह संगठन सिर्फ आदिवासियों के विरोध में काम करेगा और हमारी जल - जंगल - जमीन एवं खनिज सम्पदाओं को अडानी - मित्तल को देने लिए कार्य करेगा । आरएसएस और भाजपा संगठन चाहती है कि अपनी सामाजिक संगठन बना कर यहाँ के आदिवासियों की आवाज़ को दबा दिया जाए । प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय आदिवासी होने के बाद भी आदिवासी विरोधी विचारधारा रखते है और आरएसएस के साथ सदैव ऐसे कार्य करते है जिससे आदिवासी समाज सिर्फ विनाश हो । पूर्व में भी बस्तर पण्डुम जैसे आयोजन करवाये गए थे जो कि हमारी परंपरा नही है, पण्डुम मूलत: आदिवासियों द्वारा गांव में मनाने जाने वाला पर्व है जिसमे हम हमारे पेन देवी देवताओं को पूजते है पर इसके विपरीत मुख्यमंत्री ने सिर्फ अपने बड़े नेताओं को खुश करने के लिए जिला स्तरीय कार्यक्रम करवा कर गांव की संस्कृति को खत्म करने का काम किया । देवती कर्मा ने इन सब मामलों में दो टूक कहा कि यह तो तय है कि प्रदेश का मुख्यमंत्री आदिवासी होने के बाद भी हमारी परंपरा और संस्कृति को नष्ट करने का कार्य कर रहे है ।

जशपुर जिले में 3 नए छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंकों का लोकार्पण

दूरस्थ अंचलों तक बैंकिंग सेवाएं पहुँचाना सरकार की प्राथमिकता - मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राज्य और जिले के दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में बैंकिंग सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारी सरकार की प्राथमिकता है, ताकि किसानों, व्यापारियों और आम नागरिकों को वित्तीय सेवाएं उनके ही गाँव में सुलभ हों। उन्होंने कहा कि बैंकिंग सेवाएं न केवल आर्थिक गतिविधियों को गति देती हैं, बल्कि शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन का भी आधार बनती हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने जशपुर जिले के बगिया ग्राम में मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय से वर्चुअल माध्यम से जशपुर विकासखंड के ग्राम आरा, पत्थलगांव विकासखंड के ग्राम कुड़ेकेला (घरजियाबथान) और बगीचा विकासखंड के ग्राम छिछली में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की नई शाखाओं का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के 12वें वार्षिक प्रतिवेदन का भी विमोचन किया।

44 हज़ार से अधिक ग्रामीण होंगे लाभान्वित– मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को वर्चुअली संबोधित करते हुए कहा कि जशपुर जिले में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के तीन नई शाखाओं के शुरू होने से 23 ग्राम पंचायतों और 48 आश्रित ग्रामों के लगभग 44 हज़ार लोगों को सीधा लाभ मिलेगा। अब ग्रामीणों को बैंकिंग कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा, जिससे समय और धन की बचत होगी।

अटल डिजिटल सुविधा केंद्र से ग्रामीणों को मिलेगी वित्तीय सेवाएं– मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि जशपुर जिले की 268 पंचायतों में अटल डिजिटल सुविधा केंद्र शुरू किए गए हैं, जिनके माध्यम से अब तक लगभग 15 करोड़ रुपये का लेन-देन हो चुका है। आगामी पंचायत दिवस तक जिले की सभी पंचायतों में ये सुविधा केंद्र प्रारंभ करने की योजना है। इन केंद्रों से ग्रामीणों को उनके गाँव में ही बैंकिंग, बीमा और सरकारी योजनाओं से जुड़ी सेवाएं उपलब्ध होंगी।

जशपुर जिले के ग्राम छिछली की सरपंच श्रीमती अनिमा मिंज, आरा के सरपंच श्री मनोज भगत और कुड़ेकेला के सरपंच श्रीमती शशिकांता पैंकरा ने कहा कि नई बैंक शाखाओं से अब उनके क्षेत्र के ग्रामीणों को सभी बैंकिंग सुविधाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध होंगी।

ग्राम पंचायत आरा से वर्चुअली जुड़ी विधायक श्रीमती रायमुनी भगत ने कहा कि बैंक खुलने से हितग्राहीमूलक योजनाओं का लाभ सीधे बैंक के माध्यम से हितग्राहियों को मिलेगा।

ग्राम कुड़ेकेला से वर्चुअली जुड़ी विधायक श्रीमती गोमती साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की जनधन योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ी है और अब 3 नए ग्रामीण बैंकों के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास में गति आएगी। जिला पंचायत अध्यक्ष श्री सालिक साय ने भी मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। इन 3 नई शाखाओं के खुलने से जिले में छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक की कुल शाखाओं की संख्या बढ़कर 30 हो गई है।

कैंप कार्यालय में आयोजित इस कार्यक्रम में माटीकला बोर्ड के अध्यक्ष श्री शंभूनाथ चक्रवर्ती, जिला पंचायत सदस्य श्री वेद प्रकाश भगत, श्री उपेन्द्र यादव, श्री सुनील गुप्ता, जिला पंचायत सीईओ श्री अभिषेक कुमार, छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक के चेयरमैन श्री विनोद अरोड़ा सहित तीनों ग्राम पंचायतों के जनप्रतिनिधिगण और ग्रामीण वर्चुअल माध्यम से उपस्थित रहे।

नक्सलवाद के खात्मे के लिए समाज के सभी वर्गों का सहयोग जरूरी - उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा

रायपुर। उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन और संकल्प के अनुरूप राज्य सरकार ने 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने का लक्ष्य तय किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि राज्य की सुदृढ़ रणनीति और सुरक्षा बलों की निरंतर कार्रवाई के चलते नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में है और इसके खात्मे के लिए समाज के हर वर्ग का सक्रिय सहयोग आवश्यक है। उक्त बातें उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा अपने सुकमा प्रवास के दौरान समीक्षा बैठक में कही।

सुकमा कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित इस अहम समीक्षा बैठक में व्यापारी संगठन, सड़क और खदान निर्माण से जुड़े संघटन, सर्व आदिवासी समाज, जनजाति सुरक्षा मंच, अति नक्सल प्रभावित क्षेत्र के मोबाइल और मेडिकल दुकान संचालक, वनवासी कल्याण समिति तथा विभिन्न बैंकों के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में जिले के विकास, सुरक्षा व्यवस्था और नक्सल उन्मूलन के लिए उठाए जा रहे कदमों की विस्तार से समीक्षा की गई। बैठक को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कहा कि सुकमा की जनता अब विकास की राह पर आगे बढ़ रही है और गुमराह करने वाले तत्वों का प्रभाव खत्म हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से अंदरूनी इलाकों में विकास कार्यों में जनसहभागिता बढ़ रही है, वह इस बात का संकेत है कि जल्द ही शांति, सुरक्षा और विश्वास के साथ विकास की गति और तेज होगी तथा सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और अन्य बुनियादी सुविधाओं का व्यापक विस्तार होगा। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि अंदरूनी क्षेत्रों में सड़क, पुल-पुलिया और भवन निर्माण कार्यों को अधिक संसाधनों के साथ समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए और गुणवत्ता पर कोई समझौता न हो। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन क्षेत्रों में कार्य करने वालों को सुरक्षा की पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार और पुलिस विभाग निभाएंगे। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि स्थानीय युवाओं को इन निर्माण कार्यों में प्राथमिकता दी जाए, जिससे उन्हें रोजगार के अवसर मिलें और क्षेत्र की अर्थव्यवस्था मजबूत हो। उन्होंने अवैध धर्मांतरण पर रोक लगाने, रोहिंग्या और बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ पर सख्ती से नियंत्रण करने के भी निर्देश दिए। बैठक में जिले के प्रभारी मंत्री एवं वन मंत्री श्री केदार कश्यप ने कहा कि सुकमा जिले में लघु वनोपज की अपार संभावनाएं हैं और इनके प्रसंस्करण से स्थानीय लोगों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हो सकती है।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के बीच पहुँचे उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा - राखी बंधवाकर दिया विश्वास और भाईचारे का संदेश

रायपुर। प्रदेश के गृह एवं जेल, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज नारायणपुर प्रवास के दौरान नक्सल पुनर्वास केंद्र में आत्मसमर्पित नक्सलियों से सीधा संवाद किया। इस मौके पर संसदीय कार्य, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री केदार कश्यप भी मौजूद रहे। रक्षाबंधन के मौके पर पुनर्वास केंद्र की आत्मसमर्पित महिला नक्सलियों ने उपमुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा को राखी बांधी और पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया। श्री शर्मा ने सभी बहनों के मंगलमय जीवन की कामना करते हुए कहा कि जो भाई-बहन नक्सल संगठन छोड़कर मुख्यधारा में आ गए हैं, वे अब हमारे परिवार का हिस्सा हैं। अगर कोई और भी लौटना चाहे, तो पूरा समाज उसे अपनाएगा और उसकी सुरक्षा व आजीविका की जिम्मेदारी हमारी होगी। आत्मसमर्पित नक्सलियों ने शासन की पुनर्वास नीति की खुलकर सराहना की और

बताया कि पहले उनका जीवन भटका हुआ और हिंसा से भरा था, लेकिन अब कौशल विकास प्रशिक्षण पाकर वे आत्मनिर्भर बन रहे हैं और लोकतांत्रिक जीवन जी रहे हैं। उपमुख्यमंत्री श्री शर्मा ने कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ को निर्देश दिए कि पुनर्वास केंद्र की दिनचर्या में खेलकूद, मनोरंजन, देशभक्ति फिल्में और साक्षरता कार्यक्रम शामिल किए जाएं, साथ ही एक्सपोज़र विजिट के तहत आत्मसमर्पित नक्सलियों को रायपुर और जगदलपुर जैसे शहरों का भ्रमण कराया जाए। उन्होंने जोर देकर कहा कि उनका आत्मविश्वास बढ़ाने और आमदनी के स्थायी साधन उपलब्ध कराने के लिए ठोस प्रयास किए जाएं। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष नारायण मरकाम, नगरपालिका अध्यक्ष इंद्रप्रसाद बघेल, सरपंच छोटेडोंगर संध्या पवार, सचिव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग भीम सिंह, कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी बस्तर सुंदरराज पी., कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाईं, पुलिस अधीक्षक रॉबिनसन गुड़िया, जिला पंचायत सीईओ आकांक्षा शिक्षा खलखो, वनमंडलाधिकारी ससिगानंदन के., एसडीएम अभयजीत मंडावी सहित जिला स्तरीय अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

पॉम की खेती से किसानों को मिलेगा आय का स्थायी जरिया, प्रति हेक्टेयर प्रति वर्ष ढाई से 3 लाख रूपए की आमदनी

रायपुर। पॉम की खेती प्रदेश के किसानों के लिए स्थायी आय का जरिया बन रही हैं। राज्य सरकार किसानों को अतिरिक्त आमदनी के साधन उपलब्ध कराने पॉम सहित अन्य उद्यानिकी फसलों को बढ़ावा दे रही है। वहीं पॉम ऑयल की मांग और उत्पादकता को ध्यान में रखते हुए पॉम की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित भी किया जा रहा है। इसके लिए राज्य और केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय तिलहन एवं ऑयल पाम मिशन के तहत साझा अभियान शुरू किया है। जिसके तहत 2 हजार 682 हेक्टेयर से अधिक क्षेत्र में पॉम पौधों का रोपण हो चुका है। पॉम ऑयल सबसे अधिक उपयोग में लाये जाने वाला वनस्पति तेल है। इसका उपयोग बिस्किट, चॉकलेट, मैगी, स्नैक्स और गैर खाद्य जैसे साबुन, क्रीम, डिटर्जेंट, बायोफ्यूल आदि उत्पादों में होता हैं। पॉम के कृषकों को प्रोत्साहन हेतु केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के द्वारा एक-एक लाख रूपए अनुदान भी दिया जा रहा है। वहीं किसानों को नि:शुल्क प्रशिक्षण भी दिए

जाते हैं। केंद्र सरकार ने देश की खाद्य तेलों पर आयात निर्भरता को कम करने और किसानों की आय को बढ़ाने के उद्देश्य से नेशनल मिशन ऑन ईडएबल आयल के माध्यम से पाम आयल के उत्पादन को नई दिशा दी है। राष्ट्रीय तिलहन एवं पॉम ऑयल मिशन के तहत अब तक देशभर में 3.5 लाख हेक्टेयर भूमि पर पॉम की खेती हो चुकी है। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2024-25 में पॉम ऑयल का घरेलू उत्पादन 15 प्रतिशत बढ़ा हैं। जबकि सरकार ने वर्ष 2029-30 तक इसका उत्पादन 28 लाख टन तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा है। केंद्र सरकार तेलंगाना, असम, मिजोरम, ओड़िशा, आंध्रप्रदेश और छत्तीसगढ़, विशेष रूप से छत्तीसगढ़ के बस्तर और दंतेवाड़ा जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में पॉम की खेती से रोजगार और आय का नया साधन जुटाने की दिशा में काम कर रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व एवं कृषि मंत्री श्री रामविचार नेताम के मार्गदर्शन में राज्य सरकार के किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए उद्यानिकी फसलों की खेती के लिए किसानों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने प्रदेश के 17 जिलों में पॉम की खेती के लिए प्रयास किए है। राज्य में प्रमुख रूप से बस्तर (जगदलपुर), कोण्डागांव, कांकेर, सुकमा नारायणपुर, बीजापुर, दंतेवाड़ा, महासमुंद, रायगढ़, सारंगढ़-बिलाईगढ़, जाजगीर-चापा, दुर्ग, बेमेतरा, जशपुर, सरगुजा, कोरबा और बिलासपुर जिले में पाम की खेती की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में बस्तर संभाग में हो रहा है डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार

पूरे प्रदेश के लिए डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं में एक अनुकरणीय मॉडल बनकर उभर रहा है बस्तर संभाग

रायपुर। बस्तर संभाग में नेक्स्ट जेन ई-हॉस्पिटल, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन तथा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना का प्रभावी क्रियान्वयन क्षेत्र के लिए एक बड़ा परिवर्तन साबित हो रहा है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं के सशक्त विस्तार की दिशा में लगातार सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल के सतत मार्गदर्शन में प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं आज तकनीक के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं।

बस्तर के छ :जिला चिकित्सालयों, दो सिविल अस्पतालों और 41 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में नेक्स्ट जेन ई-हॉस्पिटल प्रणाली का सफल संचालन किया जा रहा है, जिससे ओपीडी पंजीकरण, परामर्श, जांच, दवा वितरण तथा मरीजों की स्वास्थ्य संबंधी सभी जानकारियां अब एक डिजिटल मंच पर

उपलब्ध हो रही हैं। इसके तहत मरीजों को बेहतर और समयबद्ध सेवाएं मिल रही हैं। डिजिटल तकनीक के इस समावेशन ने अस्पतालों में पारदर्शिता, कार्यकुशलता और मरीजों की संतुष्टि में उल्लेखनीय वृद्धि की है। आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के अंतर्गत अस्पतालों का हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन (।।स्नक्र) और चिकित्सकों व नर्सिंग स्टाफ का हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्रेशन (।।क्क्र) सुनिश्चित किया गया है। अस्पताल परिसरों में आभा कियोस्क स्थापित कर मरीजों को आयुष्मान भारत हेल्थ अकाउंट (आभा) बनाने की सुविधा दी जा रही है। स्कैन एंड शेयर एवं आभा आईडी के माध्यम से ऑनलाइन ओपीडी पंजीयन की सुविधा से मरीजों को लम्बी कतारों से राहत मिली है और उन्हें त्वरित सेवाएं मिल रही हैं। डिजिटल नवाचारों का प्रभाव भी स्पष्ट रूप से सामने आया है। जिला चिकित्सालय बस्तर में मई, जून और जुलाई 2025 के दौरान कुल 60,045 ओपीडी पंजीयन दर्ज किए गए, जिनमें से 32,379 पंजीयन आभा लिंक के माध्यम से हुए — जो कि कुल पंजीयनों का 53त्न है। इसी अवधि में जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में 33,895 ओपीडी पंजीयन दर्ज हुए, जिनमें से 13,729 पंजीयन आभा से लिंक किए गए — यानी 40त्न का डिजिटल एकीकरण।

यह पूरी प्रक्रिया न केवल समय की बचत सुनिश्चित कर रही है, बल्कि मरीजों के लिए डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड की सुविधा भी प्रदान कर रही है, जिसे वे देश के किसी भी हिस्से में कभी भी देख सकते हैं। इससे स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में पारदर्शिता के साथ-साथ उपचार की निरंतरता और गुणवत्ता में भी वृद्धि हो रही है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि बस्तर संभाग में नेक्स्ट जेन ई-हॉस्पिटल और आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन जैसी आधुनिक तकनीकों के सफल क्रियान्वयन ने स्वास्थ्य सेवाओं को नई गति और दिशा दी है। डिजिटल पंजीकरण, हेल्थ रिकॉर्ड और पारदर्शी सेवा प्रणाली से मरीजों को समयबद्ध, सुलभ और गुणवत्तापूर्ण इलाज मिल रहा है। यह पहल न केवल बस्तर के लिए, बल्कि पूरे प्रदेश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल है, जिसे हम शीघ्र ही राज्य के सभी जिलों में लागू कर स्वस्थ और सशक्त छत्तीसगढ़ के संकल्प को साकार करेंगे।

स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा बस्तर संभाग में स्वास्थ्य सेवाओं का यह तकनीकी उन्नयन न केवल स्थानीय जनता के लिए उपयोगी सिद्ध हो रहा है, बल्कि यह पूरे प्रदेश के लिए एक अनुकरणीय मॉडल बनकर उभर रहा है। राज्य सरकार का लक्ष्य इस प्रणाली को सभी जिलों में सुदृढ़ रूप से लागू कर स्वस्थ और सशक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ना है।

संक्षिप्त समाचार

दो बहनों ने भाई को दिया सुरक्षा का अनोखा तोहफ़ा : राखी के साथ पहनाया हेलमेट

रायपुर। रक्षाबंधन के पावन अवसर पर छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में एक अनोखी मिसाल पेश की गई। गुण्डरदेही विकासखंड के ग्राम परसवानी में अपने भाई विनोद यादव के घर पहुंची दो बहनें ममता यादव और माधुरी यादव ने इस बार राखी के साथ भाई की सुरक्षा का भी संकल्प लिया। जिला प्रशासन बालोद द्वारा हाल ही में शुरू किए गए हेलमेट जागरूकता अभियान से प्रेरित होकर दोनों बहनों ने भाई की कलाई पर राखी बांधने के साथ उनके सिर पर हेलमेट भी सजाया। उन्होंने इसे भाई की रक्षा के लिए रक्षाबंधन पर दिया गया एक विशेष उपहार बताया। बहनों का कहना था कि आए दिन सड़क दुर्घटनाओं में हेलमेट न पहनने से गंभीर चोटें और जान जाने के मामले सामने आते हैं। जब हम अपने भाई की दीर्घायु की कामना करते हैं, तो उसकी सुरक्षा के लिए ठोस कदम भी उठाने चाहिए। विनोद यादव ने बताया कि कुछ समय पहले वे एक सड़क हादसे में घायल हो गए थे, उस समय हेलमेट नहीं पहना था, जिससे सिर और आंख पर गंभीर चोट आई थी। उन्होंने कहा कि अब मुझे एहसास है कि हेलमेट जान बचा सकता है। मेरी बहनों ने मुझे यह अनमोल तोहफ़ा देकर न सिर्फ मेरी सुरक्षा का ध्यान रखा है बल्कि मुझे हमेशा हेलमेट पहनने के लिए प्रेरित भी किया है। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वे जिला प्रशासन के हेलमेट जागरूकता अभियान का पालन करें और बिना हेलमेट दोपहिया वाहन न चलाएं।

महाराष्ट्र मंडल ने रक्षाबंधन से पहले मनाया वृक्षाबंधन

रायपुर। महाराष्ट्र मंडल की पर्यावरण समिति के सदस्यों के अलावा बड़ी संख्या में सभासदों ने शनिवार, नौ अगस्त को सुबह रक्षाबंधन

मनाने से पहले वृक्षाबंधन का दायित्व पूरी जिम्मेदारी से निभाया। पौधों और वृक्षों के तनों पर राखी बांधने से पहले परंपरानुसार उन्हें हल्दी-कुमकुम का टीका लगाया गया। फिर राखी बांधकर प्रणाम कर रक्षा का संकल्प लिया गया। समन्वयक अभय भागवतकर ने बताया कि पर्यावरण समिति की ओर से रोपे गए पौधे, जो वृक्ष बन चुके है, उन्हें भी प्रतिवर्षानुसार रक्षा सूत्र बांधा गया। समिति के पुरुष प्रमुख वैभव बर्वे ने सपत्नीक शेगांव (महाराष्ट्र) में श्री गजानन महाराज के प्रकट स्थल देशमुखपुरा पहुंचकर वट वृक्ष पर वृक्षाबंधन किया। उन्होंने उसी विशाल वृक्ष की पूजा कर राखी बांधी, जिसके नीचे संत श्री गजानन महाराज ने शेगांव वासियों को प्रथम दर्शन दिए थे। आज महाराष्ट्र के प्रमुख तीर्थस्थलों में शेगांव की गिनती प्रमुखता से की जाती है। यहां के महाप्रसाद गृह में प्रतिदिन 50 हजार से अधिक लोग सुबह- शाम भोजन करते हैं। इनके अलावा पर्यावरण समिति की महिला प्रमुख अनघा करकशे ने बताया कि महाराष्ट्र मंडल की उपाध्यक्ष गीता दलाल, दिव्या पात्रीकर, दिनकर करकशे, पराग दलाल, मनीषा गायकवाड, अर्चना मुकादम, श्रुति करकशे, गणेश जाधव सहित अनेक लोगों ने भी रक्षाबंधन मनाने से पहले वृक्षाबंधन मनाया।

युवाओं के सपनों को लगेंगे पर, बनेंगे 34 नए नालंदा परिसर, दूरस्थ शहरों में भी खुलेंगी सेंट्रल लाइब्रेरी

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार उच्च शिक्षा हासिल कर रहे तथा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवाओं के सपनों को पर देने 34 नए नालंदा परिसर बना रही है। ये नालंदा परिसर केवल रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग, भिलाई, रायगढ़ जैसे बड़े शहरों में ही नहीं बन रहे, बल्कि दूरस्थ वनांचलों के सुकमा, दंतेवाड़ा, नारायणपुर, सूरजपुर, बैकुंठपुर, चिरमिरी, कुनकुरी, जशपुर, बलरामपुर, पेंड्रा जैसे शहरों में भी बन रहे हैं। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने पिछले दो वर्षों में 33 नए नालंदा परिसरों के लिए राशि स्वीकृत की है। वहीं रायगढ़ में सीएसआर से 700 सीटर सेंट्रल लाइब्रेरी का काम प्रगति पर है। इसके लिए रायगढ़ नगर निगम और एनटीपीसी (National Thermal Power Corporation) के बीच 42 करोड़ 56 लाख रुपए का करार हुआ है। यह प्रदेश का सबसे बड़ा नालंदा परिसर होगा। इन सेंट्रल लाइब्रेरीज-सह-रीडिंग जोन्स से प्रदेशभर के युवाओं को विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए अच्छा माहौल मिलेगा। उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अच्छी पुस्तकें भी मिलेंगी। प्रदेश के हर वर्ग के युवाओं के करियर निर्माण में ये लाइब्रेरीज काफी मददगार और अहम साबित होंगे। इन सर्वसुविधायुक्त, अत्याधुनिक लाइब्रेरीज में युवाओं को ऑनलाइन और ऑफलाइन पढ़ाई की सुविधा मिलेगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने पिछले दो वर्षों में 33 नालंदा परिसरों के लिए 237 करोड़ 57 लाख 95 हजार रुपए मंजूर किए हैं। विभाग द्वारा चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में 17 नगरीय निकायों में 18 नालंदा परिसरों के लिए 125 करोड़ 88 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में अलग-अलग शहरों में 15 नालंदा परिसरों के लिए 111 करोड़ 70 लाख रुपए मंजूर किए गए हैं। इनमें से 11 नालंदा परिसरों के लिए निविदा प्रक्रिया पूर्ण कर संबंधित निर्माण एजेंसीज को कार्यादेश भी जारी किए जा चुके हैं। ये जल्द ही आकार लेना शुरू कर देंगे।

नगरीय प्रशासन विभाग ने 11 नालंदा परिसरों के लिए जारी किए 19.15 करोड़– उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद विभाग ने 11 नगरीय निकायों में नालंदा परिसरों के निर्माण के लिए प्रथम किस्त के रूप में कुल 19 करोड़ 14 लाख 87 हजार रुपए इसी महीने जारी किए हैं। विभाग द्वारा दुर्ग, राजनांदगांव और अंबिकापुर नगर निगम को प्रत्येक को दो करोड़ 85 लाख 57 हजार रुपए की प्रथम किस्त जारी की गई है। वहीं बलौदाबाजार, बालोद, बेमेतरा, कवर्धा, कांकेर और जांजगीर नगर पालिका तथा कुनकुरी नगर पंचायत को प्रत्येक को एक करोड़ दस लाख 37 हजार रुपए प्रथम किस्त के रूप में जारी किए गए हैं। नालंदा परिसर के निर्माण के लिए जशपुर नगर पालिका को दो करोड़ 85 लाख 57 हजार रुपए की पहली किस्त जारी की गई है।

संपादकीय

100 सीटों पर धांधली

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने दावा किया है कि पिछले लोक सभा चुनाव में करीब 100 सीटों पर धांधली हुई और इनमें से 15 सीटों पर धांधली नहीं हुई होती तो नरेन्द्र मोदी आज देश के प्रधानमंत्री नहीं होते। कांग्रेस पार्टी के विधि, मानवाधिकार एवं आरटीआई विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय विधिक सम्मेलन में राहुल गांधी ने दोहराया कि कर्नाटक में एक निर्वाचन क्षेत्र में मतदाता सूची में हेरफेर के जो सबूत मिले हैं, वे एटम बम की तरह हैं। उन्होंने कहा कि अगले कुछ दिनों में इस बात का सबूत दिया जाएगा कि कैसे लोक सभा चुनाव में धांधली हुई। लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष पिछले कुछ दिनों से चुनाव में धांधली के दावे और आरोप लगा कर चुनाव आयोग पर हमलावर हैं। उनका तो यहां तक कहना है कि वह तो 2014 से ही चुनाव प्रणाली को संदेह की नजर से देखते रहे हैं। उन्हें बारंबार लगा है कि प्रचंड जीत (भाजपा की) हासिल करने की क्षमता आश्चर्यजनक है। राहुल गांधी ने कहा कि महाराष्ट्र में जो हुआ, उसने इस मुद्दे को गंभीरता से उठाने के लिए उन्हें मजबूर कर दिया है। तमाम आरोपों और संदेहों के बरक्स चुनाव आयोग ने ज्यादातर मौकों पर अपनी प्रतिक्रिया नहीं दी। राहुल गांधी के ताजा दावे पर भी चुनाव आयोग की तरफ से अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। चुनाव आयोग की चुप्पी के चलते अब विपक्ष यह बताने और साबित करने पर आमादा है कि चुनाव में धांधली को कैसे अंजाम दिया जाता है। बेशक, चुनाव आयोग के लिए प्राय: दुविधापूर्ण स्थिति दरपेश रहती है। पराजित पक्ष चुनावी धांधली का आरोप लगाने से नहीं चूकता। ऐसे में चुनाव आयोग के लिए जरूरी हो जाता है कि तमाम संदेहों और आरोपों कर माकूल और संतोषजनक प्रतिक्रिया देते हुए स्थिति को साफ करे। उसके कार्यकलाप में कहीं से भी हड़बड़ी नहीं दिखनी चाहिए। न ही यह लगना चाहिए कि वह किसी प्रकार का पक्षपात कर रहा है। चुनाव आयोग संवैधानिक संस्था है, और उसके लिए बहुत जरूरी है कि सख्ती से अपनी छवि को बनाए रखे। तभी वह चुनाव की शुचिता की अनिवार्यता को बनाए रख सकता है। जरूरी है कि चुनावी राजनीति में शिरकत करने वाले तमाम पक्षों के साथ बैठक करके उनके संदेहों का निराकरण करे। संदेहों (खासकर बेवजह के) की तो कतई कोई गुंजाइश रहने ही न पाए।

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

पवित्रा मार्गरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नई शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया। हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72ब महिलाएँ हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहाँ इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

एक स्थायी विरासत- भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएँ उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग। एक बुनकर के घर में, जहाँ करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के आँगन के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं। बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में, हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।

पूर्वोत्तर: अवसरों का एक करघा- देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52ब पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैंऔर 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है। असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं। इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिज़ाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहाँ प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इम्फाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएँ चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं।

पुनरुद्धार से पुनरुत्थान तक- पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुँच ने बुनाई को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुँच प्रदान करके शुरू-से-अंत तक सहायता सुनिश्चित की है।

सरकार के कामकाज का मुख्य लाभार्थी सत्तारूढ़ दल

अजीत द्विवेदी

भारत में शासन की जो व्यवस्था अपनाई गई है कि उसमें सरकार और सत्तारूढ़ दल के बीच बहुत बारीक फर्क होता है और इस फर्क को निभाने की जिम्मेदारी सरकार के मुखिया और सत्तारूढ़ दल के प्रमुख दोनों की होती है। साथ ही तमाम संवैधानिक और वैधानिक संस्थाओं, न्यायपालिका और मीडिया की भी जिम्मेदारी होती है कि वे इस फर्क की याद दिलाते रहें। अफसोस की बात है कि आजादी के बाद से धीरे धीरे सरकार और सत्तारूढ़ दल का बारीक सा फर्क मिटता गया है और अब वह लगभग समाप्त हो गया है। अब चाहे केंद्र की बात करें या राज्यों की बात करें वहां सरकारें और सत्तारूढ़ दल एक हो गए हैं। उनमें कोई फर्क नहीं रह गया है। इसे एक से अधिक मिसालों के जरिए समझा जा सकता है।

आजादी के तुरंत बाद पता नहीं क्या होता था लेकिन आज प्रधानमंत्री किसी चुनावी सभा को संबोधित करते हैं तब भी किसी मीडिया में नहीं लिखा जाता है कि भाजपा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र मोदी ने जनसभा को संबोधित किया और पार्टी के लिए वोट मांगा। हर जगह यही लिखा और बोला जाता है कि प्रधानमंत्री ने भाजपा के लिए वोट मांगा और भाजपा उम्मीदवार को चुनाव जिताने की अपील की है। इसी तरह बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अगर जनसभा को संबोधित करते हैं तो यह नहीं लिखा या कहा जाएगा कि जनता दल यू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सभा की और पार्टी उम्मीदवारों के लिए वोट मांगा, बल्कि यह कहा जाएगा कि मुख्यमंत्री ने जनता दल यू को वोट देने की अपील की। कभी किसी ने नहीं सोचा कि देश का प्रधानमंत्री किसी खास दल के लिए कैसे वोट मांग सकता है? और अगर वह किसी खास दल के लिए वोट मांगता है तो फिर यह क्यों कहा जाता है कि प्रधानमंत्री किसी पार्टी का नहीं होता है, बल्कि देश का होता है? ध्यान रहे टेलीविजन की बहसों में कई बार एंकर से लेकर चर्चा में बुलाए गए कथित विशेषज्ञ यह बात कहते हैं कि प्रधानमंत्री पूरे देश का होता है!

बहस के लिए यह कहा जा सकता है कि यह बोलने और लिखने की बात है कि प्रधानमंत्री ने या मुख्यमंत्री ने सभा को संबोधित किया। लेकिन यह ध्यान रखने की जरुरत है कि लिखने और बोलने से बहुत सी चीजों के अर्थ निर्धारित होते हैं। मिसाल के तौर पर कलेक्टर को जब से जिलाधीश या जिलाधिकारी लिखा जाने लगा तब से वह जिले का मालिक बन गया। अन्यथा अंग्रेजों के सिस्टम में उसका काम कर संग्रह का होता है। वह टैक्स कलेक्ट करता था इसलिए कलेक्टर कहलाता था। बहरहाल, दशकों से यही परंपरा चलती रही है कि चुनावी सभा को संबोधित करते हुए भी प्रधानमंत्री को किसी पार्टी का नेता नहीं लिखा जाता है। प्रधानमंत्री भी चुनावी सभा में खुल कर बोलते हैं कि उन्होंने अमुक राज्य के लिए या अमुक समुदाय के लिए कितना बड़ा तोहफा दिया है या कितने पैसे आवंटित किए हैं। इससे मुकाबला बराबरी का नहीं रह जाता है। इससे लोकतंत्र में यह धारणा प्रभावित होती है कि सभी पार्टियों को समान अवसर मिलना चाहिए।

जैसा कि ऊपर लिखा गया है कि सरकार और सत्तारूढ़ दल का फर्क बहुक बारीक होता है, जिसके मिटने की शुरुआत आजादी के तुरंत बाद हो गई थी। लेकिन पिछले दो दशक में यह प्रक्रिया तेज हुई है और अब लगभग समाप्त हो गई है। इसे दो उदाहरणों से समझा जा सकता है। एक उदाहरण तो मुफ्त की सेवाओं और वस्तुओं की घोषणा का है। कोई भी सरकार, जो वित्तीय अनुशासन को समझती है और राजस्व की उपलब्धता के बारे में जानती है वह इस तरह के फैसले नहीं कर सकती है। लेकिन सत्तारूढ़ दल को चुनाव जीतने के लिए ऐसी योजनाओं की जरुरत होती है इसलिए सरकारें इसकी घोषणा करती हैं। कहने को ये सरकार की योजनाएं हैं लेकिन असल में ये योजनाएं सत्तारूढ़ दल की होती हैं। सत्तारूढ़ दल इनका प्रचार करते हैं और इनके आधार पर लोगों से वोट देने की अपील करते हैं। अगर ऐसा नहीं है तो क्या भी सरकार या अदालत इस पर रोक लगा सकती है कि सत्तारूढ़ दल को सरकार की योजनाओं का प्रचार नहीं करना होगा या उनके आधार पर वोट नहीं मांगना होगा?

दूसरा उदाहरण यह है कि विपक्षी पार्टियां जब भी किसी संस्था को निशाना बनाती हैं या सरकार को निशाना बनाती हैं तो उनका जवाब सत्तारूढ़ पार्टियों की ओर से दिया जाता है। हाल के दिनों में एक मिसाल इस बात को प्रमाणित करती हैं। गौरतलब है कि विपक्ष की ओर से चुनाव आयोग पर लगातार हमले हो रहे हैं और आरोप लगाया जा रहा है कि वह मैच फिक्सिंग करके सत्तारूढ़ दल को जीत दिला रही है। इस बात का जवाब या तो चुनाव आयोग के सूत्र दे रहे हैं या भारतीय जनता पार्टी और उसकी सहयोगी पार्टियां दे रही हैं। चुनाव आयोग एक स्वायत्त संस्था है, जिसे संविधान के मुताबिक पक्ष और विपक्ष दोनों को समान रूप से ट्रीट करना है। लेकिन चुनाव आयोग दोनों के साथ समान बरताव नहीं करता है। उसका रूझान सत्तारूढ़ दल की ओर होता है और सत्तारूढ़ दल की ओर से उसके हर काम का बचाव किया जाता है। अपवाद के लिए ही एकाध मिसाल होगी, जब सत्तारूढ़ दल को चुनाव आयोग से शिकायत रही होगी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि भारत में पहले भी यही व्यवस्था चलती थी लेकिन पहले इस तरह से खुल कर सरकार का इस्तेमाल पार्टी के काम के लिए नहीं होता था। इस तरह से सरकार और पार्टी को एक नहीं कर दिया गया था। पार्टी का कामकाज अलग चलता था और सरकार अपना काम करती थी। लेकिन अब ऐसा लग रहा है कि सरकार का एकमात्र काम पार्टी को जीत दिलाने के लिए काम करना है। उसमें अगर देश का और आम लोगों का कुछ कल्याण हो जाता है तो अच्छी बात है। ऐसा लग रहा है कि सरकार के कामकाज का मुख्य लाभार्थी सत्तारूढ़ दल और उसके नेता हैं, जबकि जनता कोलेटरल बेनिफिशियरी है।

आम जनता के पैसे से हजारों करोड़ रुपए विज्ञापनों पर खर्च होते हैं, जिनसे पार्टी और उसके नेता का चेहरा चमकाया जाता है। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्रियों को पार्टी के लिए जनसभा करने जाना होता है तो उसे सरकारी कार्यक्रम बना दिया जाता है और समूचा आयोजन सरकार के पैसे से होता है। सत्तारूढ़ दल के नेता सरकार के विमान और हेलीकॉप्टर से पार्टी का प्रचार करने पहुंचते हैं। आजादी के बाद कई दशक तक कांग्रेस चुनाव नहीं हारी थी। लेकिन जब कांग्रेस के हारने का सिलसिला शुरू हुआ तो कई दशक तक राजनीतिक स्थिरता प्रभावित हुई। सत्तारूढ़ दलों के हारने का सिलसिला शुरू हुआ। लेकिन अब यह सिलसिला फिर थमता दिख रहा है। केंद्र से लेकर एक के बाद एक राज्यों में चुनी हुई सरकारें रिपीट होने लगी हैं तो इसका एक बड़ा कारण यह है कि पूरी सरकार और सरकारी मशीनरी सत्तारूढ़ दल को जिताने के लिए काम करती है। यह स्थिति लोकतंत्र के लिए अच्छी नहीं है। इसे जितनी जल्दी रोकने की कोशिश शुरू होगी उतना अच्छा होगा।

कांग्रेस शासन काल में दिग्विजय सिंह ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को आतंकवादी, चरमपंथी संगठन घोषित कराने का प्रयास किया था

अजय दीक्षित

2004 से 2014 के काल खंड में कांग्रेस के कुछ नेताओं ने राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ और उसकी विचारधारा को मुस्लिम विरोधी आतंकवादी संगठन घोषित कराने के खूब प्रयास किए थे। इन नेताओं में मप्र के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजयसिंह, तत्कालीन गृह मंत्री पी चिदंबरम, सोनिया गांधी, असम के पूर्व मुख्यमंत्री तरुण गोगोई, अशोक गहलोत, कमलनाथ सरीखे नेता शामिल थे।इन लोगों ने भाजपा नेता और तत्कालीन एबीवीपी की राष्ट्रीय सचिव प्रज्ञा भारती,उमा भारती, अमित शाह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जयभान सिंह पवैया, सांसद वीडी शर्मा, लाल कृष्ण आडवाणी, विनय कटिहार,आदि नेताओं को येन केन प्रकरण जेल भेज ने की साजिश की थी । कांग्रेस के नेता और सांसद अहमद पटेल तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को निर्देश देते थे कि किसी भी हालत में इन नेताओं के खिलाफ कारवाही की जाय। मालेगांव ब्लास्ट, और गुजरात के गोदारा के बाद दंगों को उपकरण की तरह कांग्रेस सरकार ने इस्तेमाल किया। मालेगांव ब्लास्ट में हाल ही में फैसला आया है कि आरोपी कर्नल पुरोहित, प्रज्ञा भारती के साथ सभी निर्दोष पाए गए हैं प्रज्ञा भारती को तो जेल में इतनी यातनाएं दी गई कि वह हाफिज सईद है । गुजरात दंगों को लेकर तो तत्कालीन मुख्यमंत्री नरेंद्र मोदी को सीबीआई ने घंटों पूछताछ की । यहां तक कि तत्कालीन गृह मंत्री अमित शाह को तो जेल भेज दिया गया था। कांग्रेस शासन में कई एनजीओ खड़े कर दिए जो धन हड़प कर विभिन्न न्यायालय में याचिका दायर कर कहते थे कि गुजरात दंगे भारतीय जनता पार्टी और नरेंद्र मोदी सरकार ने कराए हैं इतना ही नहीं किसी भी आरोपी को जमानत नहीं मिली ।दिल्ली में उस दौरान गुजरात दंगों, फसादों और मालेगांव ब्लास्ट को लेकर पीत पत्रकारिकता भी हो रही थी। दिग्विजय सिंह ने एबटाबाद में मिले अंतर्राष्ट्रीय आतंकवादी ओसामा बिन लादेन को महिमा मंडित किया।उस दौर में सोनिया गांधी ही सर्वेसर्वा थी और प्रधानमंत्री स्व मनमोहन सिंह काठ के पुतले थे ।इन दस साल में दिल्ली से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ को पूरे देश में बदनाम करने की साजिश रची जा रही थी।यहां तक कि विद्याभारती के शिशु मंदिर,ग्राम भारती के अक्लभ्य विद्यालय भी निशाने पर थे। तत्कालीन समय में न्यूयॉर्क टाइम्स ने कहा था कि भारत में कांग्रेस की सरकार बहुसंख्यक समाज के खिलाफ है।देश चुनी हुई भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व वाली सरकार को भेदभाव का शिकार बनाया गया था। हालांकि मनमोहन सिंह यह सब नहीं चाहते थे लेकिन वह मजबूर थे।केरल, पश्चिमी बंगाल,असम, नागालैंड, त्रिपुरा, मणिपुर,में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यकर्ताओं को घेर घेर कर मारा जा रहा था। वामपंथी विचारधारा के लोग पश्चिमी बंगाल में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के कार्यालयों पर आग लगा कर नष्ट कर देते थे।पी चिदंबरम ने गृह मंत्री रहते जो सलूक तत्कालीन मुख्यमंत्री गुजरात के साथ किया वह पूर्ण रूप से नष्ट करने वाला था।2008 में मुंबई हमलों में 250 से अधिक लोग मारे गए तब भी सबूत मिल ने के बाबजूद पाकिस्तान के खिलाफ कोई सार्थक कारवाही नहीं की क्योंकि ऐसा माना जाता है कि कांग्रेस अपने मुस्लिम वोटर्स को साधना चाहती थी।

टैरिफ दादागिरी के बीच 'स्वदेशी' एक जनक्रांति बने

ललित गर्ग

वाराणसी में अपने लोकसभा क्षेत्र से एक बार फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों का आह्वान किया है कि वे संकल्प लें कि अपने घर स्वदेशी सामान ही लाएंगे। उनका यह आह्वान न केवल राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 'दबाव की राजनीति' और 'टैरिफ की दादागिरी' का माकूल जबाव है बल्कि भारत को सशक्त अर्थ-व्यवस्था बनाने की बुनियाद भी है। मोदी ने 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान इसी सोच के साथ किया है। उन्होंने बार-बार यह स्पष्ट किया है कि भारत को 'लोकल के लिए वोकल' बनना होगा। यह केवल एक नारा नहीं, बल्कि एक गहन आर्थिक और सांस्कृतिक रणनीति है जो हमें बाहरी निर्भरता से मुक्त कर सकती है। यह वही आत्मनिर्भरता है, जिसका बीजारोपण महात्मा गांधी ने चरखे और खादी के माध्यम से किया था और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ स्वदेशी जागरण के माध्यम से कर रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप की बौखलाहट का ही परिणाम है कि उन्होंने दुनिया की तीसरी अर्थ-व्यवस्था बनने की ओर अग्रसर भारत की अर्थव्यवस्था को 'मृत अर्थव्यवस्था तक कह दिया, उनका यह कहना न केवल तथ्यहीन और निराधार है, बल्कि भारत की आर्थिक संप्रभुता पर एक असभ्य एवं अक्षम्य आक्षेप भी है। इससे भी अधिक विडंबनापूर्ण और चिंताजनक बात यह है कि भारत के कुछ विपक्षी दलों ने इस अपमानजनक बयान को घरेलू राजनीति की 'ऑक्सीजन' मानकर इसे आंतरिक राजनीति का हथियार बनाकर न केवल प्रचारित किया, बल्कि अप्रत्यक्ष रूप से उसका समर्थन भी किया। अक्सर विपक्षी दल देशविरोधी नैरेटिव को बढ़ावा देने में जुट जाते हैं। वे यह भूल जाते हैं कि राजनीतिक असहमति लोकतंत्र का अंग हो सकती है, लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता पर आघात के समय एकजुटता ही राष्ट्रवाद की पहचान होती है। यह वही देशविरोधी मानसिकता है जो विदेशी मंचों पर देश की छवि को चोट पहुंचाती है और राजनीतिक स्वार्थों एवं मतभेदों को राष्ट्रीय स्वाभिमान से ऊपर रखती है।

भारत की अर्थव्यवस्था को जिस तरह ट्रंप ने 'मृतप्राय' कहा, वह न केवल मौजूदा आर्थिक तथ्यों की अवहेलना है, बल्कि भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव को दबाने का एक रणनीतिक षडयंत्र भी है। आईएमएफ, विश्व बैंक और ओईसीडी जैसी प्रतिष्ठित संस्थाएं भी लगातार यह संकेत देती रही हैं कि भारत विश्व की सबसे तेज़ी से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। डिजिटल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया जैसी पहलों के

चलते भारत की अर्थव्यवस्था ने कोरोना महामारी के बाद जिस गति से पुनरुत्थान किया है, वह अनेक विकसित देशों के लिए भी उदाहरण है। सच्चाई यह है कि भारत की अर्थव्यवस्था न तो मृत है, न ही दिशाहीन। हां, चुनौतियां हैं, बेरोजगारी, महंगाई, आय असमानता, लेकिन इनसे जूझते हुए भारत आत्मनिर्भरता और नवाचार की दिशा में उल्लेखनीय कदम उठा रहा है। वैश्विक मंचों पर भारत की वाणी अब कमजोर नहीं, बल्कि दृढ़ता और आत्मविश्वास से परिपूर्ण है। ऐसे समय में जब अमेरिका जैसे देश एकतरफ़ा फैसलों से वैश्विक व्यापार संतुलन को तोड़ने पर आमादा हैं, तब भारत को अपनी आत्मनिर्भरता और स्वदेशी के मंत्र को एक संकल्प बनाकर व्यवहार में लाना होगा। अमेरिका हो या चीन, आर्थिक नीतियों में नैतिकता नहीं, स्वार्थ ही केंद्र में रहता है। इसीलिए भारत को अब यह समझना होगा कि केवल आयात पर निर्भर रहकर हम अपनी आर्थिक सुरक्षा नहीं कर सकते। जब तक हम उत्पादन, निर्माण और उपभोग के क्षेत्र में स्वदेशी विकल्प नहीं अपनाते, तब तक हम इस टैरिफ आतंकवाद और वैश्विक अस्थिरता के शिकार बने रहेंगे। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और स्वदेशी जागरण मंच वर्षों से यह बात दोहराते रहे हैं कि भारत की आर्थिक समृद्धि का मूल मंत्र 'स्वदेशी' है। यह विचार केवल देसी वस्तुओं के प्रयोग तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका तात्पर्य है, स्वदेशी संसाधनों, तकनीकों, कौशल और संस्कृति के आधार पर विकास का रास्ता तय करना। भारत का आर्थिक इतिहास इसका साक्षी है कि जब-जब देश ने अपनी आंतरिक क्षमताओं पर विश्वास किया, तब-तब उसने वैश्विक मंच पर अपना प्रभुत्व सिद्ध किया। चाहे दूध उत्पादन में श्वेत क्रांति हो, अंतरिक्ष में इसरो की सफलताएं हों या कोविड काल में स्वदेशी वैक्सीन बनाना, भारत ने दिखाया है कि वह किसी से कम नहीं। स्वदेशी का मंत्र सिर्फ 'यहां बनाएं' तक सीमित नहीं है, यह 'यहां के लोगों द्वारा, यहां की सोच के साथ' बनाया गया भारत है। प्रधानमंत्री मोदी का 'मेक इन इंडिया' अभियान अब 'मेड बाय इंडिया' की दिशा में अग्रसर हो रहा है। भारत को ऐसी आर्थिक संरचना बनानी होगी जिसमें विदेशी पूंजी या तकनीक की बजाय स्वदेशी नवाचार, स्वदेशी उद्योग, और स्वदेशी उद्यमिता को बल मिले। इस संदर्भ में सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि जो नीतियां बनें, वे स्वदेशी उद्योगों को बढ़ावा देने वाली हों, न कि बहुराष्ट्रीय कंपनियों की लॉबी के दबाव में चलने वाली। आज का समय वैसा ही है जैसा 1905 में बंग-भंग आंदोलन के समय था, जब बाल गंगाधर तिलक, लाला लाजपत राय और अरविंद घोष जैसे क्रांतिकारियों ने विदेशी वस्त्रों की होली जलाई थी। आज फिर एक नई क्रांति की जरूरत है, लेकिन यह क्रांति फैक्ट्रियों में, बाजारों में, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर लड़ी जाएगी। हमारे युवाओं को चाहिए कि वे स्टार्टअप, इनोवेशन और तकनीकी प्रयोगों में विदेशी नकल न करें, बल्कि भारतीय ज़रूरतों और मूल्यों के अनुरूप नए समाधान विकसित करें। यही आत्मनिर्भर भारत की आत्मा है। हर भारतीय को यह समझना होगा कि जब वह विदेशी मोबाइल, ब्रांडेड कपड़े, या चीनी उत्पाद खरीदता है, तो वह सिर्फ एक उत्पाद नहीं ले रहा, बल्कि वह अपने देश के एक कारीगर, किसान या उद्यमी से रोज़ी-रोटी छीन रहा है। अब समय है कि उपभोक्ता भी जिम्मेदार बने। स्वदेशी उपभोग सिर्फ एक विकल्प नहीं, बल्कि देशभक्ति का आधुनिक रूप है। आज जब वैश्विक पूंजीवाद लड़खड़ा रहा है और पश्चिमी देशों की नीतियों में आत्मकेंद्रितता हावी हो रही है, भारत को अपनी सांस्कृतिक, आर्थिक और बौद्धिक जड़ों की ओर लौटना ही होगा। यही समय है जब 'स्वदेशी' एक आंदोलन बने, एक जनक्रांति बने और एक ऐसी नई अर्थव्यवस्था की नींव डाले जो टिकाऊ, समावेशी और पूर्णत: आत्मनिर्भर हो। प्रधानमंत्री मोदी ने जो स्वदेशी का दीप जलाया है, वह केवल सरकार का काम नहीं, यह हम सभी का नैतिक, राष्ट्रीय और आत्मिक दायित्व है। तभी हम न केवल ट्रंप जैसी टैरिफ दादागिरी का जवाब दे पाएंगे, बल्कि एक सशक्त, सम्मानित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकेंगे, अपने स्वेद, अपने स्वप्न और अपने स्वदेश के बल पर।

वर्तमान परिप्रेक्ष्यों में यह आवश्यक हो गया है कि देश की आलोचना के नाम पर विदेशी अपमान का समर्थन करने की प्रवृत्ति का जनतांत्रिक रूप से विरोध हो। लोकतंत्र की सच्ची परिपक्वता यही है कि सरकार की आलोचना करते हुए भी हम राष्ट्र की प्रतिष्ठा और आत्मगौरव की रक्षा करें। जब तक भारत के भीतर से ही भारत की आवाज़ कमजोर की जाएगी, तब तक ट्रंप जैसे बाहरी 'टैरिफ तानाशाहों' को हमारे आत्मबल पर वार करने का साहस मिलता रहेगा। यदि हमारी अर्थव्यवस्था आत्मनिर्भर होगी तो फिर कोई वैश्विक नेता दबाव बनाकर हमारी विदेश व आर्थिक नीतियों को प्रभावित न कर सकेगा। विडंबना यह है कि चीन के लगातार शत्रुतापूर्ण व्यवहार व सीमा पर तनाव के बावजूद चीनी उत्पादों का आयात बढ़ता ही जा रहा है। यहां तक कि हमारे त्योहारों का सामान भी चीन से बनकर आ रहा है।

जरूरत इस बात की भी है कि हम अपने विशाल असंगठित क्षेत्र को संगठित क्षेत्र में शामिल करने के लिये प्रयास करें। हम याद रखें कि चीन ने अपने देश में लघु उद्योगों को संगठित करके ही दुनिया में उत्पादन के क्षेत्र में बादशाहत हासिल की है। विश्व में सबसे बड़ी आबादी वाले देश भारत को अपनी युवा आबादी की क्षमता का उपयोग करने के लिये इस दिशा में बड़ी पहल करनी होगी। हमारा शिक्षा का ढांचा इस तरह तैयार हो कि हम कौशल विकास को अपनी प्राथमिकता बनाएं। जिससे हम कालांतर कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक का उपयोग उत्पादन बढ़ाने के लिये कर सकें। तब स्वदेशी के संकल्प से भारत न केवल आत्मनिर्भर होगा, बल्कि हम गुणवत्तापूर्ण निर्यात के जरिये अपने दुर्लभ विदेशी मुद्रा भंडार को भी समृद्ध कर सकेंगे।

वास्तु के अनुसार घर में गणेश मूर्ति का स्थान

कई लोग अपने घरों में विघ्नहर्ता, सुख-समृद्धि के देवता भगवान गणेश की मूर्ति रखते हैं। घर में गणेश मूर्ति या गणेश मूर्ति फोटो रखने से आपके घर में सौभाग्य आता है। उन्होंने कहा, वास्तु के अनुसार, जहां आप नई गणपति मूर्ति रखते हैं , वह उतना ही महत्वपूर्ण है जितना कि मूर्ति वास्तु वास्तुकला का प्राचीन भारतीय विज्ञान है जो किसी संरचना में ऊर्जा का सामंजस्यपूर्ण क्षेत्र बनाता है। यह सब सकारात्मक और नकारात्मक ऊर्जाओं के साथ-साथ प्रकृति के 5 तत्वों को संतुलित करने के बारे में है। घर के लिए वास्तु के सिद्धांतों का पालन करने से समृद्धि और खुशहाली आ सकती है। जब घर में मूर्तियों की स्थापना की बात आती है, तो वास्तु इस बात पर चर्चा करता है कि गणेश मूर्ति को कहाँ रखा जाना चाहिए और साथ ही इसका मुख किस दिशा में होना चाहिए। यहां घर पर गणेश मूर्ति स्थापित करने के लिए कुछ शीर्ष वास्तु टिप्स दिए गए हैं।

गणेश मूर्ति के रंग पर ध्यान दें

किसी मूर्ति के कई विवरणों में से, रंग सबसे महत्वपूर्ण है। आपकी नई गणपति मूर्ति का रंग उसकी आकर्षित होने वाली ऊर्जा को प्रभावित करेगा। यदि आप खुशी और आराम को आकर्षित करना चाहते हैं तो सफेद गणपति की मूर्ति आदर्श है। दूसरी ओर, गणेश की सिन्दूरी रंग की मूर्ति धन और विलासिता की भावना को आकर्षित करने के लिए शुभ मानी जाती है। इस रंग की गणेश मूर्ति तस्वीर उन लोगों की भी मदद करेगी जो आत्म-विकास की इच्छा रखते हैं। सौभाग्य के लिए आप गणपति की सोने की मूर्ति भी स्थापित कर सकते हैं।

गणेश मूर्ति में सूंड की दिशा की जाँच करें

अन्य देवताओं की तरह गणेश के भी व्यक्तित्व में कई पहलू हैं। माना जाता है कि मूर्ति की सूंड जिस दिशा में मुड़ती है, वह मूर्ति के व्यक्तित्व को प्रभावित करती है। बाईं ओर मुड़ी हुई सूंड वाली गणेश मूर्ति अधिक लचीली और प्रसन्न करने में आसान मानी जाती है। दूसरी ओर, दाहिनी ओर मुड़ी हुई सूंड वाली गणेश मूर्तियाँ अधिक कठोर होती हैं और अधिक अनुशासित पूजा की मांग करती हैं। इसे दक्षिणाभिमुखी मूर्ति के नाम से भी जाना जाता है। भगवान गणेश को नाराज करने का जोखिम उठाने के बजाय, ऐसी मूर्ति चुनें जिसकी आप उचित देखभाल कर सकें। नटराज गणेश की मूर्ति या संगीत वाद्ययंत्र बजाते समय भगवान गणेश की मूर्ति पूजा कक्ष में रखने से बचना चाहिए।

एक नया चुनें गणपति मूर्ति सावधानी से टाइप करें

एक नया गणपति मूर्ति कई अलग-अलग सामग्रियों से बनाई जा सकती है। सामग्री का चयन भी मूर्ति द्वारा आकर्षित ऊर्जा को प्रभावित करता है। उदाहरण के लिए, चाँदी से बनी मूर्तियाँ प्रसिद्धि के लिए होती हैं जबकि लकड़ी से बनी मूर्तियाँ अच्छा स्वास्थ्य और दीर्घायु लाती हैं। क्रिस्टल गणेश वास्तु दोषों को कम करने में मदद कर सकते हैं। आम, नीम और पीपल से बनी गणेश मूर्तियां सौभाग्यशाली मानी जाती हैं जबकि गाय के गोबर से बनी गणेश मूर्तियां नकारात्मकता और दुख को दूर करती हैं।

दिनभर की थकान और तनाव से चाहते हैं छुटकारा

तो ये 5 तरह की चाय होंगी मददगार

लगातार बढ़ते वर्क प्रेशर और व्यस्त शेड्यूल की वजह से लोग अक्सर तनाव का शिकार होने लगते हैं। बिना आराम दिन-रात काम करने की वजह से न सिर्फ आपकी शारीरिक, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में दुनिया भर में कई सारे लोग विभिन्न मानसिक समस्याओं का शिकार हैं। तनाव इन मानसिक समस्याओं में सबसे आम है, जिसे आजकल लगभग हर उम्र के लोग प्रभावित है। खासकर दिन भर के काम के बाद शाम को घर लौटने के बाद कई सारे लोग स्ट्रेस का सामना करते हैं। ऐसे में अपने मन को शांत करने और तनाव को कम करने के लिए लोग कई सारी तरकीबें में अपनाते हैं। कई लोग अक्सर व्यस्त दिन के बाद तनाव दूर करने के लिए दवाइयों का भी सहारा लेते हैं। हालांकि, यह दवाइयां सेहत के लिए हानिकारक हो सकती हैं। ऐसे में आप चाय की मदद से अपने तनाव को दूर कर सकते हैं। आज इस आर्टिकल में हम आपको कुछ ऐसी चाय बताने जा रहे हैं, जिन्हें पीने के बाद आप दिनभर की अपनी थकान और तनाव से मुक्ति पा सकते हैं।

कैमोमाइल टी

कैमोमाइल टी तनाव दूर करने का एक अच्छा विकल्प है। इसके आरामदायक और सीडेटिव गुणों के साथ-साथ, इसका उपयोग पेट की खराबी के साथ ही दर्द और सूजन को कम करने के लिए भी किया जा सकता है।

पेपरमिंट टी

पेपरमिंट टी यानी पुदीने की चाय एंग्जायटी जैसी तनाव उत्पन्न करने वाली भावनाओं से निपटने में सहायक है। अगर आप थकान महसूस कर रहे हैं, तो इसके लिए पुदीने की चाय भी मददगार हो सकती है।

ग्रीन टी

ग्रीन टी को फोकस को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए भी जाना जाता है, क्योंकि इसमें मौजूद संयुक्त एल-थेनाइन और कैफीन इसमें मदद करते हैं। ग्रीन टी उन लोगों में चिंता और तनाव को कम करने में मदद कर सकती है, जो इसे नियमित रूप से पीते हैं।

ब्लैक टी

लंबे दिन के बाद काली चाय यानी ब्लैक टी का सेवन तनाव के स्तर को कम करता है और तनाव हार्मोन को वापस सामान्य स्थिति में लाने में मदद करता है।

लैवेंडर चाय

लैवेंडर चिंता को कम करने, मुंहासे और जलन के साथ-साथ शरीर के दर्द जैसी समस्याओं को ठीक करने में मदद करने के लिए फायदेमंद हो सकती है। यह अपने मूड सही करने और सीडेटिव प्रभावों के लिए जाना जाता है।

कौन-सी सब्जियां कच्ची नहीं खानी चाहिए ?

हम अक्सर सुनते हैं कि सब्जियों को ज्यादा पकाने से उनमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो सकते हैं। इतना ही नहीं कुछ लोगों का मानना है कि सब्जियों और फलों को बिना किसी प्रोसेसिंग या बिना पकाए खाने से एक्स्ट्रा एनर्जी, बेहतर स्किन, बेहतर डाइजेशन और हार्ट प्रॉब्लम्स और कैंसर का खतरा भी कम हो सकता है। लेकिन यहां यह जानना भी जरूरी है कि कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिन्हें भूलकर भी कच्चा नहीं खाया खाना चाहिए। कच्ची सब्जियां खाने से व्यक्ति का शरीर पैरासाइट्स, बैक्टीरिया और जहरीले पदार्थों के संपर्क में आ सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं। इस आर्टिकल में उन्हीं सब्जियों के बारे में जानेंगे। हम अक्सर सुनते हैं कि सब्जियों को ज्यादा पकाने से उनमें मौजूद पोषक तत्व खत्म हो सकते हैं। इतना ही नहीं कुछ लोगों का मानना है कि सब्जियों और फलों को बिना किसी प्रोसेसिंग या बिना पकाए खाने से एक्स्ट्रा एनर्जी, बेहतर स्किन, बेहतर डाइजेशन और हार्ट प्रॉब्लम्स और कैंसर का खतरा भी कम हो सकता है। लेकिन यहां यह जानना भी जरूरी है कि कुछ सब्जियां ऐसी होती हैं, जिन्हें भूलकर भी कच्चा नहीं खाया खाना चाहिए। कच्ची सब्जियां खाने से व्यक्ति का शरीर पैरासाइट्स, बैक्टीरिया और जहरीले पदार्थों के संपर्क में आ सकता है, जो स्वास्थ्य के लिए बेहद हानिकारक हो सकते हैं। इस आर्टिकल में उन्हीं सब्जियों के बारे में जानेंगे।

अरबी का पत्ता

अरबी के पत्ते को खाने के इस्तेमाल में लेने से पहले हमेशा गर्म पानी में ब्लांच कर लें। पालक और केल पर भी यही नियम लागू होता है। उन्हें गर्म पानी में ब्लांच करें क्योंकि वे हाई ऑक्सालेट लेवल से जुड़े होते हैं, जो ब्लांच करने पर कम हो जाता है।

शिमला मिर्च

शिमला मिर्च को इस्तेमाल करने से पहले उसके बीज निकालें और इसे गर्म पानी से धोएं, क्योंकि बीज टेपवर्म के अंडों का घर भी हो सकते हैं, जो फल के अंदर जीवित रहते हैं।

पत्तागोभी

पत्तागोभी को टेपवर्म (कीड़े) और उसके अंडों का घर भी कह सकते हैं, जो खाली आंखों से दिखाई नहीं देते, लेकिन सेहत के लिए बेहद हानिकारक होते हैं। इनमें से कुछ टेपवर्म इतने कठोर होते हैं कि कीटनाशक छिड़के जाने के बाद भी वे बच जाते हैं, इसलिए पत्तागोभी खाने से पहले उन्हें अच्छी तरह से साफ कर लें। पत्तागोभी को साफ करने का सबसे अच्छा तरीका है उसे काटकर गर्म पानी में ब्लांच कर लें और फिर इसे खाने से पहले अच्छी तरह से पकाएं।

बैंगन

इस सब्जी में भी टेपवर्म का बसेरा हो सकता है। ये हमारे ब्लडसर्कुलेशन में एंट्री कर सकते हैं इसलिए इन सब्जियों को अच्छी तरह से पकाना ही इससे बचने का सबसे अच्छा तरीका है।

मॉर्निंग वॉक का सही तरीका

मॉर्निंग वॉक अपने आप में कई बीमारियों की दवा है। मॉर्निंग वॉक के इतने फायदे हैं कि आप शायद ही कभी बीमार पड़े। मॉर्निंग वॉक से हार्ट संबंधी बीमारियों का जोखिम एकदम कम हो जाता है। वहीं ब्लड शुगर और ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल रहता है। सुबह की सैर से दिन भर दिमाग में ताजगी और एनर्जी बरकरार रहती है। कई अध्ययनों में कहा जा चुका है कि मॉर्निंग वॉक करने से लाइफस्टाइल से संबंधित कई बीमारियों का जोखिम कम हो जाता है। हालांकि मॉर्निंग वॉक अधिकांश लोग करते हैं लेकिन इसका सही तरीका नहीं जानते। कई लोगों को इस बात को लेकर कंफ्यूजन रहता है कि मॉर्निंग वॉक करने से पहले नाश्ता करना चाहिए या नहीं। वहीं कई लोगों को यह पता नहीं है कि मॉर्निंग वॉक से पहले पानी पीना चाहिए या नहीं। अगर आपको भी नहीं पता कि सुबह की सैर का सही तरीका क्या है, तो यहां आप इसे आसानी से जान सकते हैं।

सही कपड़े का चयन करें

मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले रात में अपने कपड़े को अलग कर लें। ऐसा कपड़ा पहने जो स्किन से पसीना को सोखें। हल्का कॉटन का कपड़ा पहनें ताकि स्किन संबंधी कोई एलर्जी न हो। मॉर्निंग वॉक के दौरान मौजें न पहनें तो बेहतर हैं।

हरियाली वाली जगह पर जाएं

सुबह में ऐसी जगहों का चयन करें जहां ज्यादा हरियाली और पेड़-पौधा है। वॉक के दौरान सिर्फ पैदल ही न चलें बल्कि बीच-बीच में पेड़ पर लटक भी जाएं, थोड़ा रनिंग भी कर लें, पड़ोसियों से बातचीत भी करें। अगर योगा, मेडिटेशन करें तो और बेहतर है।

सामाजिक मेल-जोल

मॉर्निंग वॉक के दौरान आसपास के लोगों से सामाजिक मेलजोल बढ़ाएं। एक-दूसरे से बातचीत करने में सकारात्मकता का संचार होगा इससे हैप्पी हार्मोन रिलीज होगा और आप दिनभर खुश रहेंगे। इसलिए अपने दोस्तों के साथ बातचीत करते हुए भी वॉक कर सकते हैं।

लगातार पानी पीते रहें

मॉर्निंग वॉक के दौरान लगातार पानी पीते रहें। इससे हाइड्रेट रहेंगे ओर शरीर को जरूरी एनर्जी मिलती रहेगी।

वॉर्म अप करें

सुबह की सैर से पहले ग्राउंड में पहले 5 मिनट के लिए वार्म अप करें। वार्म अप करने से वॉक के लिए शरीर में एनर्जी बनी रहेगी और आपका शरीर तैयार हो सकेगा।

जरूरत से ज्यादा नमक सेहत के लिए हानिकारक

नमक का ज्यादा सेवन हमारी सेहत के लिए बेहद हानिकारक होता है। इसे लेकर कुछ समय पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी सोडियम इनटेक को लेकर अपनी एक रिपोर्ट जारी की थी, जिसमें यह बताया गया था कि सोडियम का ज्यादा सेवन दुनियाभर में मौत और बीमारियों के मुख्य कारण में से एक है।

सोडियम, जिसे शरीर के लिए सबसे जरूरी पोषक तत्वों में से एक माना जाता है, अगर ज्यादा मात्रा में इसका सेवन किया जाए तो दिल की बीमारियां, स्ट्रोक और समय से पहले मौत का खतरा बढ़ सकता है। खासतौर पर नमक में सोडियम की मात्रा अधिक होती है, इसलिए इसका कम सेवन ही शरीर के लिए फायदेमंद हो सकता है।

ज्यादा नमक ब्लड प्रेशर बढ़ा सकता है, जिसकी वजह से दिल के दौरे और स्ट्रोक जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। ऐसे में अपने दिल को सेहतमंद रखने के लिए आप इन तरीकों से अपनी डाइट में से नमक कम कर सकते हैं।

अपनी डाइट से प्रोसेस्ड, डिब्बाबंद और अनहेल्दी जंक फूड को हटा दें, जिसमें नमक की मात्रा ज्यादा होती है। इसके बजाय ताजे फल, सब्जियां और साबुत अनाज का चयन करें।

परिवार के सदस्यों को ज्यादा नमक खाने से रोकने के लिए खाने की मेज से नमक और नमकीन सॉस आदि हटा दें।

खाना पकाने के दौरान नमक का ज्यादा इस्तेमाल करने के बजाय हर्ब्स, मसालों, लहसुन और खट्टे फलों का उपयोग करके अपने पसंदीदा व्यंजनों का स्वाद बढ़ाएं।

अगर आप अपना सॉल्ट इनटेक कम करना चाहते हैं, तो अपनी डाइट से आलू के चिप्स, फ्रेंच फ्राइज और क्रैकर जैसे नमकीन स्नैक्स को तुरंत हटा दें।

बर्गर, पिज्जा, फ्रेंच फ्राइज जैसे फूड आइटम्स का सेवन कम करें, क्योंकि इनमें नमक की मात्रा अधिक होती है।

पैकेज्ड फूड आइटम्स और पहले से पकाए गए 'माइक्रोवेव डिनर' से बचें। इनमें सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है।

सलाद ड्रेसिंग और केचप जैसे मसालों से बचें। इनमें भी सोडियम की मात्रा बहुत अधिक होती है।

खाने में अतिरिक्त नमक डालने से बचें। नमकीन स्वाद के लिए नमक की जगह मसालों का प्रयोग करें। जहां संभव हो, कम सोडियम वाले विकल्पों का उपयोग करें।

पैकेज्ड फूड आइटम्स खरीदते समय उनमें मौजूद सोडियम की मात्रा के बारे में जानकारी लेने के लिए न्यूट्रीशन लेबल को जरूर पढ़ें।

मेकअप के दौरान ना करें ये 5 ब्लश मिसटेक्स

किसी भी महिला का मेकअप तब तक कंप्लीट नहीं होता है, जब तक कि वे अपने गालों पर ब्लश अप्लाई ना करें। इससे महिला का फेस नेचुरली काफी ब्यूटीफुल लगता है। लेकिन कभी-कभी ऐसा भी होता है कि ब्लश लगाने के बाद महिला का चेहरा और भी अधिक अजीब नजर आने लगता है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि महिला ब्लश लगाते समय कुछ छोटी-छोटी मिसटेक्स् करती हैं। आपको भले ही इस बात का अहसास ना हो, लेकिन ब्लश लगाते समय की गई आपकी एक छोटी सी गलती भी आपके ओवर ऑल लुक को बिगाड़ सकती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको ऐसी ही कुछ ब्लश मिसटेक्स के बारे में बता रहे हैं, जिनसे आपको वास्तव में बचने की जरूरत है-

गलत शेड का इस्तेमाल करना

यह एक सबसे पहली और कॉमन मिसटेक है। आपको अपने ब्लश पैलेट में भले ही कई सारे शेड्स के ऑप्शन मिले हों, लेकिन फिर भी आपको अपनी स्किन टोन व अंडरटोन पर विचार करना चाहिए। अगर आपकी अंडरटोन वार्म है और आप कूल कलर्स को चुनती है तो इससे आपका चेहरा वॉशड आउट नजर आ सकता है। इसलिए यह ध्यान रखें कि अगर आपकी स्किन टोन वार्म है तो आप अधिक डीप शेड्स को पिक कर सकती हैं।

गलत फॉर्मूले का चयन करना

आप कभी नहीं चाहेंगी कि ब्लश लगाने के बाद आपकी स्किन बहुत अधिक रूखी व फटी-फटी नजर आए या फिर वह बेहद चिपचिपी लगे। लेकिन अक्सर महिलाओं के साथ ऐसा होता है, क्योंकि वे गलत टाइप के ब्लश को चुनती है। यूं तो मार्केट में क्रीम से लेकर पाउडर ब्लश अवेलेबल हैं। लेकिन फिर भी अधिकतर महिलाएं पाउडर ब्लश का विकल्प ही चुनती हैं। हालांकि, यह हर किसी के लिए नहीं है। अगर आपकी स्किन ऑयली है तो ऐसे में पाउडर ब्लश को चुनें। वहीं, रूखी स्किन की महिलाओं को क्रीम ब्लश अप्लाई करना चाहिए।

ब्लश ब्रश को टैप करना भूल जाना

आपको हर बार यही शिकायत रहती है कि आपका ब्लश सही तरीके से नहीं लग पाता है तो हो सकता है कि आप ब्लश ब्रश को चीक्स पर अप्लाई करने से पहले उसे टैप नहीं करती हों। दरअसल, जब हम ब्रश को पाउडर में डिप करते हैं तो यह काफी अधिक लग जाता है और टैप करने पर अतिरिक्त पाउडर हट जाता है और आप सही तरह से अप्लाई कर पाती हैं। इसके अलावा, हमेशा हल्के व छोटे स्ट्रोक से ब्लश लगाएं।

टमाटर प्याज ग्रेवी

अक्सर हम रेस्टोरेंट और ढाबा स्टाइल सब्जी खाना पसंद करते हैं। लेकिन अगर घर में ऐसे सब्जी खाने का मन हो ते बनाने से पहले कई बार सोच में पड़ जाते हैं। लेकिन इन खानों का असली स्वाद इसकी ग्रेवी में होता है। आप घर में भी इस ग्रेवी को आसानी से तैयार कर सकते हैं। इस ग्रेवी बेस को अपने बटर पनीर मसाला, या यहां तक कि एक अंडे की करी में इस्तेमाल करें या बस कुछ तले हुए पनीर के टुकड़े और मुट्ठी भर हरे मटर को उबलते हुए ग्रेवी बेस पर टॉस करें और एक ग्रेवी पेस्ट तैयार करें। अगर आपको नॉन-वेज पसंद हैं, तो आप चिकन, मटन, मछली या अपनी पसंद के किसी भी मीट को शामिल कर सकते हैं। अब हम आपको छोले और रेस्टोरेंट स्टाइल दम आलू बनाने की तरीका आपको बताने जा रहे हैं। जिसे खाने के बाद हर कोई आपकी तारीफ करेगा। कढ़ाई राजमा या कोई अन्य ग्रेवी जिसमें स्वाद बढ़ाने वाले स्वाद की जरूरत होती है।

खाना खजाना

आवश्यक सामग्री

प्याज - 4 बड़े, टमाटर - 2 बड़े, कटे हुए ताजी टमाटर प्यूरी - 1 कप, तेल - 3 बड़े चम्मच, जीरा - आधा छोटा चम्मच, लहसुन का पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, अदरक का पेस्ट - 1 छोटा चम्मच, हल्दी पाउडर - 1/4 छोटा चम्मच, नमक स्वादअनुसार, लाल मिर्च पाउडर - 1 छोटा चम्मच, धनिया पाउडर - 1 1/2 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर - 1 छोटा चम्मच लाल चावल

बनाने की विधि

इंडियन स्टाइल ग्रेवी तैयार करने के लिए सबसे पहले एक पैन में थोड़ा तेल डालें। इसके बाद इसमें जीरा छिड़कें। जब इसका रंग हल्का हो जाए तो इसमें प्याज के टुकड़े डालें और ब्राउन होने तक अच्छे से भूनें। मिश्रण में अदरक लहसुन का पेस्ट डालें और भून लें। कड़ाही में सामग्री के साथ हल्दी का एक पानी का छींटा डालें, और टमाटर को अच्छे से पकाएं साथ में ताज़ी टमाटर की प्यूरी और नमक भी पेस्ट में डाल दें। इसके बाद इसमें लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर मिलायें और साइड से तेल छूटने तक अच्छे से भून लें। आप चाहे तो इसे फ्रोजन स्टोर करके भी रख सकते हैं। ये ग्रेवी आराम से 3 से 4 दिन तक भी स्टोर करके रख सकते हैं। आप चाहे तो इसे अपनी पसंद की सब्जियों या नॉन-वेज आइटम के साथ भी यूज कर सकते हैं। इस ग्रेवी से आप छोले, पनीर, आलू की सब्जी भी बना सकते हैं जो आपके खाने का स्वाद दोगुना और बढ़ा देगा।

अक्षय कुमार ने रक्षाबंधन पर शेयर किया इमोशनल पोस्ट

रक्षाबंधन के मौके पर बॉलीवुड सितारे भी अपने भाई-बहनों के साथ इस त्योहार का जश्न मना रहे हैं। बॉलीवुड के खिलाड़ी अक्षय कुमार ने भी अपनी बहन अल्का के साथ रक्षाबंधन सेलिब्रेट करते हुए की तस्वीर शेयर की है।

एक्टर ने अपनी बहन के नाम जो लिखा उसे पढ़ कर उनके फैंस उन्हें आदर्श भाई बता रहे हैं। इस मौके पर अक्षय कुमार ने नीली शर्ट और ब्लैक बीनी पहनी हुई है। वहीं अल्का पीले सूट और सिर पर दुपट्टा ओढ़े अपने भाई की आरती करती देखी जा सकती हैं। अक्षय ने पोस्ट के साथ बेहद इमोशनल कैप्शन लिखा, "आंखें बंद हैं, तो मां दिख रही है। और आंखें खोल कर तेरी स्माइल। लव यू अल्का। हैप्पी राखी।" फैंस को उनका यह अंदाज बेहद पसंद आया। एक यूजर ने लिखा, अक्षय एक शानदार भाई है, अन्य ने लिखा, अक्षय अपनी बहन को बेहद प्यार करते हैं, एक और यूजर ने लिखा, भाई-बहन का प्यार अमर होता है। तो दूसरे ने मजाकिया अंदाज में पूछा, मैं तो ये सोच रही हूं कि अक्षय सर ने गिफ्ट में क्या दिया होगावैसे ये सेलिब्रिटीज क्या गिफ्ट देते होंगे? एक फैन ने कमेंट किया, पता था, रक्षाबंधन हो और अक्षय कुमार सर का पोस्ट ना आए, ऐसा हो ही नहीं सकता। अक्षय कुमार हर साल अपनी बहन के लिए रक्षाबंधन पोस्ट जरूर करते हैं। 2021 में उन्होंने लिखा था, "मेरी लाइफ का वो इंसान जो हर मुश्किल में मेरे साथ खड़ा रहा, मेरी गलती पर सुधारा, मेरी खुशी में सबसे ज्यादा खुश हुआ। सबसे निस्वार्थ इंसान जिसे मैं जानता हूं मेरी बहन अल्का। तुम्हारे बिना मैं आज वो इंसान नहीं होता।" अल्का की शादी रियल एस्टेट डिवेलपर सुरेंद्र हिरानंदानी से हुई है। फिल्मों की बात करें तो अक्षय हाल ही में 'कणप्पा' में भगवान शिव के रूप में नजर आए थे और वे 'हाउसफुल 5' और 'केसरी चैप्टर 2' में भी हाल में नजर आ चुके हैं। अब एक्टर के नए प्रोजेक्ट का इंतजार हो रहा है।

धड़क-2 ने तोड़ा कई फिल्मों का रिकॉर्ड

बॉलीवुड एक्टर सिद्धांत चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की फिल्म 'धड़क-2' बॉक्स ऑफिस पर कुछ कदम और आगे बढ़ चुकी है।

बीते गुरुवार तक 16 करोड़ 70 लाख रुपये की कमाई करने के बाद शुक्रवार को फिल्म की कमाई का ग्राफ एक बार फिर नीचे आ गया और मूवी का शुक्रवार का कलेक्शन महज 60 लाख रुपये रहा, लेकिन बावजूद इसके फिल्म की कुल कमाई का आंकड़ा 17 करोड़ 30 लाख रुपये हो चुका है। इसी के साथ 'धड़क-2' ने कई ऐसे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जिनसे लीड एक्टर्स जरूर खुश होंगे। शाजिया इकबाल के निर्देशन में बनी यह रोमांटिक थ्रिलर फिल्म सिद्धांत चतुर्वेदी की आज तक सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। हम यहां उन फिल्मों की बात कर रहे हैं जिनमें सिद्धांत अहम या लीड किरदार निभाते नजर आए हैं। अगर 'गली बॉय' को छोड़ दें, तो धड़क-2 ने सिद्धांथ चतुर्वेदी की 'बंटी और बबली 2' (12.50 करोड़), फोन भूत (14.01 करोड़) और युधरा (11.31 करोड़) की भारतीय बॉक्स ऑफिस पर लाइफटाइम कमाई का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इसने तृप्ति डिमरी की भी एक फिल्म का रिकॉर्ड तोड़ा है। तृप्ति डिमरी की साल 2018 में आई फिल्म 'लैला मजनू' ने भारतीय बॉक्स ऑफिस पर कुल मिलाकर 2 करोड़ 89 लाख रुपये कमा पाई थी। बात धड़क-2 की लागत की बात करें तो इसे बनाने में लगभग 40 करोड़ रुपये खर्च किए गए थे, यह फिल्म अभी तक अपनी लागत नहीं निकाल पाई है, देखना यह है कि क्या यह बॉक्स ऑफिस पर कमाई से अपना बजट रिकवर कर पाती है या नहीं। उधर इसके साथ ही सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'सन ऑफ सरदार 2' के लिए भी राह आसान नहीं है, क्योंकि दोनों को ही डेब्यू कपल अनीत पड्डा और अहान पांडे से कड़ी चुनौती मिल रही है।

'सैयारा' देखकर खूब रोए बॉबी देओल

सुनाया अहान पांडे के बचपन का किस्सा

डेब्यू एक्टर अहान पांडे की फिल्म 'सैयारा' ने सिनेमाघरों में धूम मचा रखी है। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 500 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है और अभी भी थिएटर्स में टिकी हुई है।

एक हालिया इंटरव्यू में बॉलीवुड एक्टर बॉबी देओल ने बताया कि वह अहान की इतनी दमदार शुरुआत को लेकर बहुत खुश हैं, और उन्होंने खुद भी जब 'सैयारा' मूवी देखी तो स्क्रीनिंग के दौरान खूब रोए। बॉबी ने उस वक्त को याद किया जब अहान छोटे थे और अपना स्पाइडरमैन आउटफिट पहनकर मस्ती करते रहते थे। 'एनिमल' फेम एक्टर ने कहा, 'मुझे सैयारा बहुत अच्छी लगी। मैं बहुत खुश था क्योंकि अहान मेरे सामने ही बड़ा हुआ है। मुझे वो दिन याद हैं जब वो छोटा था और स्पाइडर मैन का आउटफिट पहनकर पंचिंग बैग पर मुक्के मारता रहता था... वो शुरू से ही बहुत एनर्जेटिक रहा है।' बॉबी देओल ने कहा कि अहान पांडे के डेब्यू को लेकर उन्हें ऐसा लगा कि जैसे उनके ही बच्चे ने सिनेमा जगत में पहला कदम रखा हो। बॉबी ने बताया, 'अहान ने सैयारा की रिलीज के लिए 8 साल इंतजार किया है।' बॉबी देओल ने कहा, 'यह फिल्म (सैयारा) उसे कैसे मिली यह भी एक कमाल की कहानी है। मैं बहुत खुश था।' बॉबी ने बताया, 'मैं यह फिल्म देखने के दौरान बहुत रोया, यह इतनी इमोशनल कहानी है। मोहित सूरी ने बहुत गजब का काम किया है। सैयारा जाहिर तौर पर एक डायरेक्टर मेड फिल्म है, लेकिन एक्टर्स ने भी किरदारों को बखूबी निभाया है। अहान और अनीत को देखना दिलचस्प था। मोहित ने स्क्रीनप्ले बखूबी बुना है, कहानी गढ़ी है, म्यूजिक... हर चीज बखूबी तैयार की गई है।' बता दें कि बॉबी देओल पहले एक्टर नहीं हैं जिन्होंने 'सैयारा' की तारीफ की है। आलिया भट्ट से लेकर विजय वर्मा तक और करण जौहर से लेकर अन्य तमाम कलाकारों ने फिल्म में अहान पांडे और अनीत पड्डा के काम की तारीफ की है।

फिल्म 'ये है मेरा वतन' का म्यूज़िक ऑडियो लांच

आतंकवाद को खत्म करने के लिए भारतीय फौजियों द्वारा की गई सर्जिकल स्ट्राइक को ध्यान में रखकर निर्माता निर्देशक मुश्ताक पाशा ने एक देशभक्ति की भावना से ओतप्रोत हिन्दी फिल्म "ये है मेरा वतन" बनाई है, जो जल्द सिनेमाघरों मे रिलीज होने वाली है.

आतंकवाद के खिलाफ भारत के ऐतिहासिक क़दमों से प्रेरित यह फिल्म तब चर्चा में आई जब राजधानी दिल्ली में पिछले सप्ताह इसकी विशेष स्क्रीनिंग हुई जहां भाजपा के कई सीनियर नेताओं की उपस्थिति में लोगों ने खड़े होकर 'भारत माता की जय' के नारे लगाए और फिल्म की प्रशंसा तालियों के साथ की. फिल्म 'ये है मेरा वतन' का संगीत ऑडियो करी म्यूजिक कंपनी के द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में जारी किया गया है. मोशन पिक्चर्स के बैनर तले बनी निर्माता निर्देशक मुश्ताक पाशा की इस फीचर फिल्म में यशपाल शर्मा, प्रमोद माउथो, अतहर हबीब, मुश्ताक पाशा, मृदुला महाजन, नेहा शर्मा, राणा जंग बहादुर, शैलेन्द्र श्रीवास्तव और विष्णु शर्मा ने अभिनय किया है. मुश्ताक पाशा इस फिल्म मे एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं. मुम्बई मे हुए म्युज़िक लॉन्च पर विशिष्ट अतिथि के रूप में संगीतकार डब्बू मलिक, गायक राजा हसन, ऑडियो करी के मैनेजिंग डायरेक्टर और ओनर मशहूर गीतकार पंछी जालौनवी सहित फिल्म से जुड़ी टीम के अलावा कई सेलेब्रिटी मेहमान भी मौजूद थे. निर्देशक मुश्ताक पाशा का कहना है कि यह फिल्म हमारे देश के फौजियों को समर्पित है और इसका संगीत फिल्म की कहानी की आत्मा है.

'बिग बॉस' में हुई लेस्बियन कपल की एंट्री

बिग बॉस 19' के शुरू होने से पहले 'बिग बॉस मलयालम सीजन 7' शुरू हो गया है। इतना ही नहीं सुर्खियों में भी आ गया है। ऐसा इसलिए क्योंकि इस बार शो में लेस्बियन कपल- अदीला नसरीन और फातिमा नूरा को एंट्री दी गई है। इन्होंने केरल हाई कोर्ट में केस लड़कर साथ रहने का हक जीता था और शादी की थी।

अदीला और फातिमा की मुलाकात सऊदी अरब में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई, लेकिन परिवार और समाज ने इन्हें अलग करने की कोशिश की। मजबूर होकर दोनों ने हाई कोर्ट में याचिका डाली और जीत हासिल की। इसके बाद दोनों ने एक फोटोशूट करवाया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। अब ये दोनों बिग बॉस के घर में एक साथ कंटेस्टेंट बनकर आई हैं। शो के पहले हफ्ते में ही ओपन नोमिनेशन और स्पॉट एलिमिनेशन जैसे ट्विस्ट आ गए हैं, जिससे सीजन की शुरुआत काफी दिलचस्प हो गई है। अदीला और फातिमा की एंट्री सिर्फ एक एंटरटेनमेंट का हिस्सा नहीं है, बल्कि ये एक मैसेज भी देती है कि प्यार किसी भी बंदिश को नहीं मानता।

पढ़ाई करते-करते हुआ था प्यार

आमिर खान ने मुझे साल तक घर में कैद रखा

फैसल का चौंकाने वाला दावा

बॉलीवुड एक्टर आमिर खान की तरह ही उनके भाई फैसल खान भी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाना चाहते थे। लेकिन किस्मत ने उनका साथ नहीं दिया। फैसल, आमिर खान के साथ फिल्म 'मेला' में नजर आए थे।

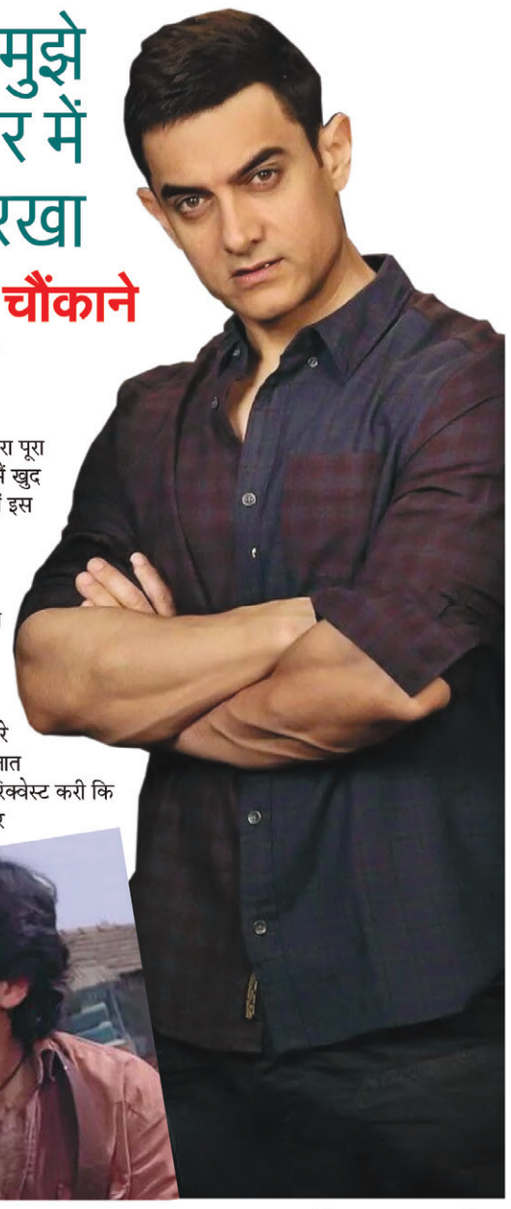

फैसल की प्रोफेशनल लाइफ भले ही सुर्खियों में नहीं रही लेकिन वो अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर हमेशा ही खबरों में बने रहते हैं। इसी बीच अब एक बार फिर से फैसल अपने लेटेस्ट इंटरव्यू को लेकर चर्चा में आए हैं। फैसल ने इंटरव्यू में चौंकाने वाले दावे किए हैं। उन्होंने कहा कि उनके सगे भाई आमिर ने ही उन्हें मुंबई के घर में बंद करके रखा था। फैसल खान ने हाल ही में पिंकविला को अपना इंटरव्यू दिया। इस दौरान फैसल ने आमिर खान के साथ-साथ इंडस्ट्री के लोगों को लेकर कई खुलासे किए हैं। फैसल ने इंटरव्यू में कहा, 'उन्होंने मुझे एक साल तक आमिर के घर में बंद रखा और जबरन दवाइयां दीं। उन्होंने दावा किया कि मुझे सिजोफ्रेनिया है और मैं समाज के लिए खतरा हूं।' फैसल ने आगे बताया, 'दवाइयों ने उनके शारीरिक और स्वास्थ्य पर बुरा असर डाला और उनका वजन 103 किलो तक बढ़ गया। क्योंकि वे अनावश्यक और हानिकारक थीं। इन चीजों ने मेरे करियर में काफी मुश्किलें खड़ी कीं। यही नहीं ये एक 'चक्रव्यूह' में फंसने जैसा था, जहां मेरा पूरा परिवार मेरे खिलाफ था। मैं खुद को देख रहा था कि यार मैं इस चक्रव्यूह से कैसे निकलूं।' फैसल अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं, 'आमिर ने मेरे सभी वित्तीय और कानूनी फैसलों पर नियंत्रण कर लिया था... मुझे बाहर जाने की अनुमति नहीं थी। मेरे कमरे के बाहर एक बॉडीगार्ड तैनात रहता था। मैंने आमिर से रिक्वेस्ट करी कि मुझे दूसरे घर में शिफ्ट कर दें।'

सलमान खान की फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' का मुंबई शूटिंग सेट तोड़ा गया

सलमान खान अपनी नई फिल्म 'बैटल ऑफ गलवान' को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। पिछली फिल्म 'सिकंदर' को मिले नेगेटिव रिव्यू के बाद इस बार एक्टर अपनी ऑडियंस को निराश नहीं करना चाहते।

कुछ समय पहले सलमान ने अपूर्व लखिया के साथ 'बैटल ऑफ गलवान' का एलान किया था। ये फिल्म गलवान वैली में भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच हुए विवाद पर आधारित है। इस फिल्म के लिए सलमान ने जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है, लेकिन ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, अगस्त में शुरू होने वाला मुंबई शेड्यूल कैंसिल कर दिया गया है। जुलाई में बांद्रा के महबूब स्टूडियो में बनाया गया सेट भी अब तोड़ा जा रहा है। मेकर्स ने क्रिएटिव डिसीजन लेते हुए फिल्म की शूटिंग सीधे लद्दाख से शुरू करने का फैसला किया है। अब 22 अगस्त से 3 सितंबर के बीच वहां एक्शन सीक्वेंस फिल्माए जाएंगे। सलमान का इस फिल्म में अलग लुक है, ऐसे में मुंबई और लद्दाख के बीच 30 दिन का गैप फिल्म की विजुअल कंटिन्यूटी बिगाड़ सकता था। डायरेक्टर अपूर्व लखिया का मानना है कि एक्शन सीन लगातार शूट होने चाहिए, इसलिए फिलहाल मुंबई शेड्यूल टाल दिया गया है। फिल्म में सलमान, कर्नल बिक्कुमल्ला संतोष बाबू का किरदार निभा रहे हैं। हाल ही में खबरें आई थीं कि रक्षा मंत्रालय ने संवेदनशील विषय के चलते फिल्म को रोक दिया है, लेकिन सूत्रों ने इसे सिरे से खारिज कर दिया। उनका कहना है कि 'बैटल ऑफ गलवान' एक सैनिक की बहादुरी का जश्न मनाती है और किसी देश को विलेन के रूप में पेश नहीं करती।

शिवा'स में निर्देशक मधुर भंडारकर

शिवा'स सैलून की मुम्बई में सिल्वर जुबली कंप्लीट हो गई है. जी हां, मायानगरी मुम्बई के अंधेरी ईस्ट में आज शिवा'स के 25वें फैमिली सैलून का उद्घाटन हुआ जहां मुख्य अतिथि फिल्म निर्देशक मधुर भंडारकर थे.

अभिनेत्री इहाना ढिल्लों, ब्राइट आउटडोर मीडिया के योगेश लखानी,अशोक धामंकरसहित इस लांच के अवसर पर कई बॉलीवुड हस्तियां स्पेशल गेस्ट्स के रूप में पहुंची. चांदनी बार और पेज थ्री जैसी फ़िल्मों के डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने फीता काटकर और नारियल फोड़कर इस 25वीं ब्रांच की ओपनिंग की. हेयर स्टाइलिस्ट शिवरामभंडारी ने सभी अतिथियों को पुष्पगुच्छ और शॉल देकर सम्मानित किया. डायरेक्टर मधुर भंडारकर ने इस लांच के अवसर पर कहा कि शिवा को मैं अपना भाई और दोस्त मानता हूं. मुंबई में इस 25वें सैलून की ओपनिंग पर मैं उन्हें बधाइयाँ और शुभकामनाएं देता हूं. वह बड़ी मेहनत और लगन से अपना कार्य कर रहे हैं. हमारी कामना है कि जल्द ही इसके 50 सैलून खुल जाएं और हम गोल्डन जुबली मनाएं. हम तो चाहेंगे कि मुम्बई के अलावा पूरे देश में उनके सैलून खुलें. मैं उन के लगभग हर सैलून के उद्घाटन पर आता हूं. मैं दरअसल उनके लिए लकी चार्म भी हूं और इस ब्रांड का अन-ऑफिशियल एंबेसडर भी हूं.₹ हिंदी सिनेमा के साथ साथ पंजाबी सिनेमा में भी सक्रिय अभिनेत्री इहाना ढिल्लों ने शिवा'स के 25वें फैमिली सैलून की ओपनिंग पर शिवा को ढेरों शुभकामनाएं दीं. योगेश लखानी ने भी अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिया. शिवाराम भंडारी ने सभी अतिथियों का आभार जताया.

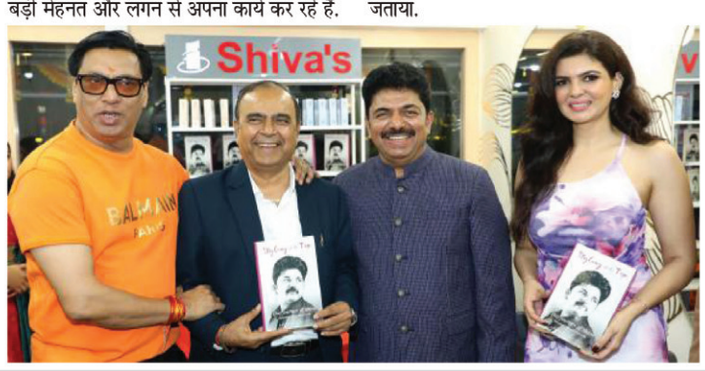

रजनीकांत की 'कुली' रिलीज से पहले ही कमा लिए 250 करोड़ रुपये

सुपरस्टार रजनीकांत की अपकमिंग फिल्म 'कुली' का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। माना जा रहा है कि यह मूवी बॉक्स ऑफिस पर कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ेगी। फिल्म थिएटर्स में 14 अगस्त 2025 को रिलीज होने जा रही है।

मूवी के लिए कई जगहों पर एडवांस बुकिंग भी चालू हो गई है, लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म अपनी रिलीज से पहले ही 250 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। लोकेश कनगराज के निर्देशन में बनी इस फिल्म में आपको जबरदस्त एक्शन और स्वैग देखने को मिलेगा। पिंकविला की एक रिपोर्ट के मुताबिक तकरीबन 375 करोड़ रुपये की लागत में बनी इस फिल्म ने अपने डिजिटल, म्यूजिक और सैटेलाइट राइट्स बेचकर 250 करोड़ रुपये के करीब कमाई कर ली है। फिल्म के इंटरनेशनल राइट्स 68 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। कमाई के आधार पर देखा जाए तो रिलीज से पहले ही 'कुली' अभी तक की दूसरी सबसे बड़ी तमिल फिल्म बन गई है। सैकनिल्क की एक रिपोर्ट के मुताबिक कुली ने 30 करोड़ रुपये की कमाई अभी तक एडवांस बुकिंग के जरिए कर ली है। कमाई के आंकड़ों की बात करें तो लोकेश कनगराज के ही निर्देशन में बनी फिल्म 'लियो' ने ओपनिंग डे पर 66 करोड़ रुपये का बिजनेस किया था। अब देखना यह होगा कि क्या 'कुली' उस रिकॉर्ड को तोड़ पाएगी या नहीं।

विश्व आदिवासी दिवस कार्यक्रम में आदिवासी परम्पराओ, संस्कृति और पर्यावरण, अधिकारों को सहेजने पर जोर

गरियाबंद (समय दर्शन)। 9 अगस्त विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर जिला मुख्यालय के मंडी प्रांगण में भव्य जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का प्रारम्भ आदिवासीयों के आराध्य पूर्वजों बिरसामुंडा, गुंडाधुर, कात्याभील,शहीद वीर नारायण सिंह, बाबूराव शर्माके,भीमराव अम्बेडकर क़ी पूजा अर्चना से क़ी गई आदिवासी दिवस पर समाज की परंपराओं, कला, संस्कृति और अधिकारों,सहित जल, जंगल, जमीन को बचाने को लेकर आह्वान किया गया।

कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद् एवं समस्त ध्रुव गोंड़ समाज,अमात गोंड़ , अखिल भारतीय हल्बा , राज गोंड़, नगारची, गोंड़वाना , बिंझवार, संवरा, कमार, भुजिया,

कंडरा , पठारी , पारधी, कंवर समाज व समस्त आदिवासी समाज,के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि व प्रवक्ता एवं विशेष अतिथि सतीश पेंडम (अध्यक्ष, बिरसामुंडा बिर्गेड), जनक ध्रुव (विधायक, बिन्द्रानवागढ़ विधानसभा) निलीमा श्याम जी (जिला पंचायत सदस्य, बालोद) देवकुमार धान (पुर्व मंत्री बिहार एवं आदि. धर्म कालम सम. समिती भारत)तरुण नेताम (महा प्रबंधक विद्युत विभाग छत्तीसगढ़)ओंकार शाह (पूर्व विधायक बिन्द्रानवागढ़) भगवान सिंह उइके (जिलाधीश जिला गरियाबंद) जी.आर. मरकाम (मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जि.पं. गरियाबंद) उमेन्दी कोर्राम (अध्यक्ष अ.भा.आ.वि.परिषद गरियाबंद) रहे।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक नृत्य और गीतों से हुई, जिसमें युवाओं और महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मुख्य वक्ताओं में जनक राम ध्रुव ने कहा कि आदिवासी समाज की पहचान उसकी संस्कृति, भाषा और जीवनशैली में निहित है, जिसे संरक्षित और संवर्धित करना सभी की जिम्मेदारी है। हमारे अधिकारो को बचा कर रखने क़ी जरूरत है, हमारी संस्कृति को सजो कर रखने क़ी जरूरत है. आज प्रदेश के मुखिया खुद इसी वर्ग से आते है पर अभी तक उनके तरफ सें आदिवासियों को लेकर कोई संदेश नहीं आया है. जिस आरक्षण के बाल पर विधायक बने प्रदेश के मुखिया बने आपका अपने समाज के प्रति भी कोई जम्मेदारी बनती है । मजरकट्टा स्थित आदिवासी भवन के लिए 5 लाख रूपये क़ी घोषणा क़ी।

मुख्य वक्ता के रूप में सतीश पेंडम ने अपने ओजस्वी सम्बोधन में कहाँ क़ी आज के समय में आदिवासियों को अपने आदिवासी होने को लेकर कहने के लिए भी संघर्ष करना पढ़ रहा है, देश की महामहिम राष्ट्रपति आदिवासी है तो वह क्यू आदिवासियों को लेकर कुछ नहीं कह पा रही है। इस देश की अर्धसैनिक बल आधा से ज्यादा आदिवासी क्षेत्र में गरीब लोगो के घरो के बाहर है। हमारे हमसे जंगल

छीने जा रहे है हमें अपनी मिट्टी से बेदखल किया जा रहा है क्युकी आपकी भूमि के नीचे उन्हें खनिज मिल रहे है, कारपोरेट, पूंजी पति लोगो को हमारे जंगल उजाड़ने की अनुमति दी जा रही है। हमारा आरक्षण खत्म किया जा रहा है हजारों वर्षो से आदिवासी जंगलो को संजो कर रखा वंही उसकी पूजा, वंही उसकी मिल्कीयत है। उसने है भारत के पर्यावरण संभाल के रखा अब उसको विभि न्न आरोप लगा कर जंगलो से हटाने की साजिश चल रही है। देश के नेता आदिवासियों अब वनवासी कह करनाम बदल हमारे अधिकारों हको पर डाका डालने षड्यंन्त्र कर रहे है। हमसे हजारों एकड़ भूमि छीन ली गई। युवाओ से कहाँ की अब हमारी पीढ़ी की आखरी लड़ाई है हमें अपने आधिकारो को लेकर सहज होना होगा। पढ़ो लिखो ज्ञान अर्जित करो और संवैधानिक रूप से अपनी आवाज़ बुलंद करो । अब सभी आदिवासियो को जाति भूल कर एक मंच पर आना होगा।

सम्बोधन पश्चात हुजूम रैली के रूप में एक तीर एक कमान आदिवासी एक समान, विश्व आदिवासी दिवस अमर रहे , बिरसा मुंडा, कात्याभील,बाबा साहब अम्बेडकर, वीर नारायण सिंह के जय घोस के नारों के साथ नगर क़ी गलिया गूंज उठी। रेलापाटा क़ी धुन में युवा थिरकते हुए नगर के मुख्य मार्ग से होते हुए अम्बेडकर चौक पहुंचे जंहा बौद्ध समाज के लोगो ने उनका जोशीला स्वागत किया फ्टाके फोड़े गये पुष्प वर्षा की गई। रैली आदिवासी दिवस क़ी खुशियाँ मनाते हुए शहीद वीर नारायण चौक में समाप्त हुई।

कार्यक्रम में लोकेश्वरी नेताम जी (जिलाध्यक्ष, महिला मोर्चा एवं सदस्य, जिला पंचायत) लेखराज ध्रुव,सोहन ध्रुव, मीरा ठाकुर,मोहना नेताम ,राकेश मुर्रा नुतन ठाकुर,

रजन्तीन ठाकुर, मुकेश कुमार सूर्यवंशी,ममता मरकाम पंचराम ध्रुव,गणेशराम ध्रुव,फुलेश्वरी नेता सुमित्रा बाई ध्रुव,गैंदीबाई कंवर,लक्षेन्द्र ध्रुव,अनिता ध्रुव,नागेन्द्र ध्रुव कुमार,लीना ठाकुर, हीराबाई ध्रुव,मिथलेश,खिलेश्वर ठाकुर,मुकेश ध्रुव,तुलेश्वरी,लेश्वरी ठाकुर,जगदीश ठाकुर बीरेन्द्र ठाकुर,हेमेन्द्र मरकाम, राधिका रानी दीवान, चुड़ामणि कंवर,ऐनु बाई ध्रुव,. गीताबाई, टकेश्वर कंवर, रामेश्वर सिंह दीवान,लक्ष्मी बाई दीवान,अरूण कुमार ठाकुर,द्रौपती ठाकुर,मोहनी बाई नेताम,रहुमनी पदमन नेताम, हुमन बाई ध्रुव,नकुल राम ध्रुव,चमेली बाई कंवर नरेन्द्र कुमार ध्रुव, संतराम ध्रुव,कोमल ध्रुव,सुनीता बाई ध्रुव,वासनी ठाकुर शिव कुमारी ध्रुव, रेखा ठाकुर,चुम्मन सिंह ध्रुव,लक्ष्मी ठाकुर,सरिता ध्रुव,फुलन बाई ध्रुव,उर्वशी नेताम,नगिता बाई दीवान,अनुसुइया ध्रुव वालेश कुमार,एकता सोम, शेब्या ठाकुर,कृष्णा नाग,उदराज सोरी,बिसाहिन बाई, आत्माराम ध्रुव

रोहित कुमार मरकाम,शशि ध्रुव, फिरत राम गोंड़ राजकुमार सोरी, दिनेश कुमार नेताम,अर्जुन लाल कमार,केसी बाई, तुलसी ध्रुव, हेमकुमारी नेताम , केंवराबाई कंवर,भादूराम ध्रुव, शांति बाई ध्रुव,हेमो मांझी, गजेन्द्र पुजारी जी (युवा प्रभाग जिलाध्यक्ष अ.भा.आ.वि.)टार्जन नेताम जी (उपाध्यक्ष युवा प्रभाग गरियाबंद) प्रियंका मंडावी (उपाध्यक्ष संभाग गरियाबंद) भागवत मरकाम, (अध्यक्ष गोड़वाना समाज) विशेश्वर भोयर (अध्यक्ष, 18 गढ़ युवा प्रकोष्ठ हल्बा समाज)रामचंद मरई, नंद पडोटी, गमलेश नेताम, पेन मरकाम,हिमंत नेताम, ओमप्रकाश दिवान, ओमन दिवान,उमेश मरकाम, ओंकारेश्वर मरकाम, खेमराज मरकाम,रमेश सोम, तामेश्वर सोरी, पार्थ भेड़िया, नितेश मेरी,गुलशन नेताम, गुलशन भेड़िया, हरेन्द्र छेदेहा, धमेन्द्र मंडावी,खिलेश मरी, तोरण मंडावी, कुमेश नेताम, भुनेश्वर छेदेहा,लक्षमण मरकाम, नीलकंठ मंडावी, परम मरकाम,पुतले नेताम, मुरली मरकाम, ऋषी छेदैहा, राकेश पोडोटी,राजु मरकाम, लयन मरकाम, चौतन्य मरकाम, विनोद पडोटी,चिन्ताराम मरकाम, डेमन मरकाम, ओमकार नेताम,रेखराम मरकाम, कुंदन मंडावी, जागेश्वर नेताम, तरूण मरकाम, लालित मरकाम, भुनेश्वर कोर्राम,मुकुंद नेताम, जगदीश भेड़िया, भोज नेताम, हुमेश्वर नेताम ., गेवेन्द्र नेताम, किरण ओटी, योगेश्वर मरकाम, पुष्पेन्द्र नेताम होमेश्वर नेताम योगेश्वर मरकाम, प्रभात कोमर्रा, . भोज कुमार पडोटी,कामिनी ओटी, मोनिका मेरी, निशा नेताम, किरण नेताम,मोना छेदैहा, संगीता छेदैहा, मनीषा नेताम, सुनीता मंडावी,दानेश्वरी नेताम, हेमा मरकाम, रानु नेताम, तारणी मरकाम,खुशबू मेरी, आरती नेताम, माही छेदैहा, प्रेता पडोटी,वीणा नेताम, अंजलि मेरी, हर्षिता मेरी, रोशनी मेरी,पुजा नेताम, योगिता मरई रोशनी टेकाम, पुनम मरकाम,संजना मरकाम, शलैन्द्री मरकाम सहित हजारों की सख्या में आदिवासी सहित अन्य सामजिक लोगो की उपस्थिति रही।

खबर-खास

हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्र भक्ति का उत्सव - भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव

10 अगस्त से शुरू होगा भाजपा का हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान, शहर से लेकर गाँव तक भाजपा कार्यकर्ता निकालेंगे तिरंगा यात्रा

हर घर तिरंगा अभियान की जिला स्तरीय कार्यकर्ता आयोजित, विशेष रूप से शामिल हुये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव

रायपुर/भारतीय जनता पार्टी स्वाधीनता दिवस के अवसर पर मोर तिरंगा मोर अभिमान हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान आगामी 10 अगस्त से आरंभ होगा। जिसमें भाजपा कार्यकर्ता आमजनों को जोड़ कर शहर से लेकर गाँव तक तिरंगा यात्रा निकालेंगे और घर घर में तिरंगा लगाने लोगों को प्रेरित करेंगे। प्रत्येक बूथ में 50 घरों में तिरंगा लगाने का लक्ष्य भाजपा ने निर्धारित किया है। भाजपा के हर घर तिरंगा अभियान को लेकर भाजपा जिला कार्यालय में महत्वपूर्ण जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें विशेष रूप से भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक किरण सिंह देव शामिल हुये। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्र भक्ति का उत्सव है। जिसमें प्रत्येक कार्यकर्ता कर्मठता के साथ अपना संपूर्ण योगदान सुनिश्चित करें। कार्यशाला में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री देव ने कार्यकर्ताओं से कहा कि राष्ट्र सबसे पहले है और भारतीय जनता पार्टी का ध्येय वाक्य है। हर घर तिरंगा अभियान राष्ट्र भक्ति की भावना को और अधिक प्रबल करता है। राष्ट्रीय भावना से ओतप्रोत इस अभियान में सभी कार्यकर्ता सहभागिता निभायें और आमजनों को भी इस पुनीत अभियान में जोड़े, उन्हें प्रेरित करें। पूर्व कांकेर भाजपा जिला अध्यक्ष सतीश लाटिया ने कहा कि भाजपा के इस अभियान में बूथवार पचास घरों में तिरंगा लगाने का दायित्व कार्यकर्ता निभायेंगे। घर घर में तिरंगा ससम्मान लगाया जाये। तिरंगा यात्रा भी शहर से लेकर गाँव गाँव तक आयोजित होगी। जिसकी रुपरेखा तैयार कर 10 अगस्त से हर घर तिरंगा, घर घर तिरंगा अभियान का उत्साह के संग शुरू करें। कार्यक्रम का संचालन जिला मंत्री नरसिंह राव व आभार प्रदर्शन पूर्व जिला अध्यक्ष एवं तिरंगा यात्रा अभियान संयोजक रुप सिंह मण्डावी ने किया।

'दिमाग पे रखे लगाम': सेंटर फ्रेश का नया टीवीसी — ओवरथिंकिंग पर मज़ेदार तंज

नईदिल्ली। परफेटी वैन मेल इंडिया के तहत आने वाला भारत का सबसे पसंदीदा च्यूइंग गम ब्रांड सेंटर फ्रेश एक ताज़गी भरा नया अभियान लेकर आया है, जो उपभोक्ताओं की ओवरथिंकिंग (ज़रूरत से ज़्यादा सोचने) की आदत पर आधारित है। यह आइडिया सेंटर फ्रेश के इंडिया ओवरथिंकिंग रिपोर्ट से प्रेरित है, जिसे यूगॉव के साथ साझेदारी में तैयार किया गया था। रिपोर्ट में खुलासा हुआ कि 81त्न लोग रोज़ाना तीन घंटे से अधिक समय ओवरथिंकिंग में बिता देते हैं। इस इनसाइट पर मज़ेदार ट्विस्ट लाते हुए, नए विज्ञापन दिमाग पे रखे लगाम के ज़रिए सेंटर फ्रेश को दिन में एक ताज़गी भरी टाइम आउट के रूप में पेश किया गया है — एक आसान तरीका जो आपको ताज़गी के साथ फिर से वर्तमान में लौटा देता है। इस अभियान के केंद्र में एक सरल लेकिन गहरी बात है — ज्यादातर लोग छोटी-छोटी बातों पर भी ज़्यादा सोच लेते हैं। सेंटर फ्रेश दो नए और मज़ेदार टीवीसी लेकर आया है, जो रोज़मर्रा के लोगों को बेहद मामूली बातों पर ओवरथिंकिंग करते हुए हास्य और अपनापन के साथ दिखाते हैं। और जब ओवरथिंकिंग हावी हो जाए, तब ज़रूरत होती है सिर्फ एक ताजगी से भरे पल की, जो दिमाग को शांत कर दे, नया नज़रिया दे और एक पल की राहत दे। इस अभियान के बारे में बात करते हुए, गुंजन खेतान, डायरेक्टर मार्केटिंग, परफेटी वैन मेल इंडिया, ने कहा — सेंटर फ्रेश हमेशा से ताज़गी का पर्याय रहा है — और इस नए अभियान के साथ, मिंट की ताज़गी भरी बर्स्ट ओवरथिंकिंग के चक्र को तोड़ेगी और स्पष्टता के पल लाएगी। यह टीवीसी उन मज़ेदार पलों को उजागर करता है, जो हमारी हालिया 'सेंटर फ्रेश इंडिया ओवरथिंकिंग रिपोर्ट' से प्रेरित हैं। टैगलाइन 'दिमाग पे रखे लगाम' के साथ, हम उपभोक्ताओं को ठहरने, वर्तमान में रहने और जब विचार भटकने लगें तो ताज़गी के साथ नया नज़रिया अपनाने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

निखिल शर्मा, मैनेजिंग डायरेक्टर, परफेटी वैन मेल इंडिया, ने कहा — हमारे ब्रांड हमेशा संस्कृति के साथ कदम से कदम मिलाकर चलते आए हैं — हर संभव मौके पर खुशी, ताज़गी और हास्य लाते हुए। 'दिमाग पे रखे लगाम' अभियान के साथ सेंटर फ्रेश एक नए दिलचस्प स्पेस में कदम रख रहा है। ब्रांड की मौजूदगी भारत के 30 लाख से अधिक आउटलेट्स में है, और यही वजह है कि हम नए अभियानों के ज़रिए उपभोक्ताओं को उत्साहित करना चाहते हैं। नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित और हमारे एजेंसी पार्टनर ओगिल्वी द्वारा तैयार किए गए ये दो टीवीसी हमारे रोज़मर्रा के जीवन में ओवरथिंकिंग स्पाइरल्स पर दिलचस्प नज़र डालते हैं।

रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सुकमा में CRPF की 02 बटालियन और दिव्यांग छात्राओं ने मिलकर मनाया उत्सव

दंतेवाड़ा सुकमा, : रक्षाबंधन के पावन अवसर पर 02 बटालियन, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) ने सुकमा के आकार आवासीय संस्था स्कूल की दिव्यांग छात्राओं के साथ मिलकर उत्साह और उमंग के साथ यह त्योहार मनाया। 02 बटालियन के कमांडेंट श्री कमलेश कुमार के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में छात्राओं ने हिंदू रीति-रिवाजों के साथ अधिकारियों और जवानों को तिलक लगाकर राखी बांधी और उनके उत्तम स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना की।

इस हृदयस्पर्शी अवसर पर अधिकारियों और जवानों ने छात्राओं को उपहार भेंट किए और उनकी सुरक्षा का वचन दिया। यह कार्यक्रम भाई-बहन के अटूट प्रेम और विश्वास के बंधन को दर्शाता है। कमांडेंट कमलेश कुमार ने इस रचनात्मक पहल के लिए सुकमा क्षेत्र की माताओं-बहनों का आभार व्यक्त किया और कहा, रक्षाबंधन का पर्व भाई-बहन के असीम प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। यह रक्षा और भावनाओं के प्रति विश्वास को मजबूत करता है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि 02 बटालियन, ष्टक्रक्कस्न हमेशा क्षेत्र की सुरक्षा के लिए तत्पर रहेगी।

कार्यक्रम में 02 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी विवेक सक्सेना, अन्य अधीनस्थ अधिकारी, जवान, स्कूल के प्रधानाध्यापक हरि कौशिक, शिक्षक नरेश भोई, मनोज कश्यप, किशन साहू, तुलेश कौशिक, सुरेंद्र भेंसवर, केवल देशमुख, शिक्षिका अन्नपूर्णा मडावी, लता साहू और मंजू डेहरे उपस्थित रहे। यह आयोजन न केवल रक्षाबंधन के पारंपरिक महत्व को दर्शाता है, बल्कि सामाजिक एकता और समावेशिता को भी बढ़ावा देता है।

चुहका विद्यालय में मनाया गया रक्षाबंधन

साजा (समय दर्शन)। शासकीय प्राथमिक शाला एवं पूर्व माध्यमिक शाला चुहका में रक्षाबंधन पर्व को हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। भाई-बहनों के पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन के पर्व पर राखी प्रतियोगिता रखी गई। जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर उत्साह के साथ भाग लिया।बच्चों ने कला शिक्षा के अंतर्गत अपने स्वयं से स्थानीय चीजों को इकठ्ठा करके आकर्षक मय राखी बनायी। जिसमें प्राथमिक शाला से शारदा पटेल प्रथम स्थान व द्वितीय काव्या यादव द्वितीय स्थान पर रहे। पूर्व माध्यमिक शाला से राखी प्रथम स्थान पर व सिध्दी पटेल द्वितीय स्थान पर रहे। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया। पर्स व

पेन प्रदान कर सम्मानित किया गया। बच्चों ने अपने भाई की आरती उतारकर माथे पर तिलक लगाई एवं कलाई में रक्षासूत्र बांधकर मिठाई खिलाया ।कलाई में राखी बांधी एवं भाइयों ने आशीर्वाद स्वरूप बहनों के रक्षा करने का संकल्प लिया। मुख्य अवसर पर प्रधान पाठिका मंजू लता धुर्वे ने रक्षाबंधन के ऐतिहासिक महत्व के बारे में बताया। प्राथमिक शाला प्रधान पाठक रिखी राम यादव ने कहा कि रक्षांबधन संस्कृत शब्द से लिया गया है। रक्षा का अर्थ है ' सुरक्षा ' व बंधन का अर्थ ' बांधना ' । इसलिए यह त्योहार सुरक्षा व बंधन का प्रतीक है। इस अवसर पर निर्णायक के रूप में शिक्षक दीपक राजपूत व किशन लाल ठाकुर उपस्थित रहे।

महापौर श्रीमती अलका बाघमार को ब्रह्माकुमारी बहनों ने बांधी राखी

दुर्ग। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय द्वारा रक्षाबंधन के पावन पर्व पर प्रजापिता ब्रह्माकुमारी बहनो ने महापौर श्रीमती अलका बाघमार के बगले में पहुँचकर राखी बांधी। रक्षाबंधन का संदेश देते हुए महापौर अलका बाघमार ने कहा वैसे तो भारत को त्योहारों व पर्वों का देश कहा जाता है जब भी कोई पर्व या त्यौहार आता है तो सभी के मन में खुशी, उमंग, उत्साह व रिश्तो में एक नई मिठास घुल सी जाती है। रक्षाबंधन का यह पर्व वैसे तो भाई-बहन के स्नेह, सुरक्षा और सम्मान के पर्व के रूप में मनाया जाता है। बहनें, भाई को तिलक लगाती है। राखी बांधती है व मुँह मीठा करती है एवं भाई, बहन को गिप्ट देते हैं व उनके रक्षा का संकल्प लेते हैं।इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के भाई-बहनों ने अपनी सहभागिता दी।जन संपर्क/राजू

सैमसंग इंडिया ने लॉन्च किया 2025 का साउंडबार लाइनअप, एआई, स्मार्ट वर्सेटिलिटी और नई डिजाइन से लैस

गुरुग्राम। भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड, सैमसंग, ने आज अपने 2025 साउंडबार लाइनअप को लॉन्च किया है। इसमें ऑडियो इंटेलिजेंस, एडैप्टिव डिज़ाइन और स्मार्ट होम इंटीग्रेशन में अगली पीढ़ी की आधुनिक खूबियों की पेशकश की गई है। आज के जमाने के भारतीय घरों और देखने की आदतों के अनुरूप तैयार की गई, यह नई साउंडबार रेंज कई फॉर्म फैक्टर्स में बेहतर प्रदर्शन और वैयक्तिकरण लाती है।

नए लाइनअप में फ्लैगशिप HW-Q990F और कन्वर्टिबल HW-QS700F मॉडल शामिल हैं। इस नई रेंज में दुनिया के लेटेस्ट इनोवेशन पेश किये गये हैं जोकि रोजाना के मनोरंजन को शानदार अनुभव में बदल देते हैं। लाइनअप की विशेषताएँ:

- एआई साउंड ऑप्टिमाइज़ेशन: कंटेंट के अनुसार रियल-टाइम ऑडियो ट्यूनिंग
- डायनामिक बास कंट्रोल: बिना विकृति के गहरे, परिष्कृत लो-एंड साउंड के लिए - एक्टिव वॉयस एम्प्लीफायर प्रो: कन्वर्टिबल फिट डिज़ाइन के साथ संवाद की स्पष्टता बढ़ाने के लिए
- एकीकृत जायरो सेंसर: प्लेसमेंट के आधार पर साउंड को एडजस्ट करने के लिए एक कॉम्पैक्ट वायरलेस सबवूफर छोटे आकार में शक्तिशाली बास प्रदान करता है, Q-सिम्फनी प्रो सैमसंग टीवी के साथ सिंक्रोनाइज़्ड साउंड बनाता है।

आजादी के पर्व में स्वच्छता श्रमदान कर सहभागिता निभाएं- चंद्रप्रकाश

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने ''कूड़े से आज़ादी'' स्वच्छता श्रमदान अंतर्गत विकसित भारत की परिकल्पना व स्वच्छ, सुंदर तथा विकसित कवर्धा बनाने हेतु कवर्धा शहर के सभी शासकीय कार्यालय प्रमुख एवं स्कूलों के प्राचार्य, प्रधान पाठकों को पत्र लिखकर 9 से 14 अगस्त 2025 तक स्वच्छता श्रमदान करने का अनुरोध किया है।

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि 15 अगस्त 2025 को हम अपना 78वां स्वतंत्रता दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं गर्व के साथ मनाने जा रहे हैं। यह दिन हमें न केवल आज़ादी के महान बलिदानों की याद दिलाता है, बल्कि वर्तमान में हमारे कर्तव्यों एवं संकल्पों का भी बोध कराता है। उन्होनें बताया कि नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा ''कूड़े से आज़ादी'' को लेकर लगातार 16 फरवरी 2025 से ''स्वच्छ, सुंदर तथा विकसित कवर्धा बनाने हेतु संकल्प'' को लेकर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है साथ ही शहर के तालाबों में प्रत्येक रविवार को ''2 घंटे का श्रमदान'' एवं श्रावण मास के प्रत्येक रविवार को ''तीर्थ स्थल-भोरमदेव मंदिर में'' स्वच्छता श्रमदान कर लोगो को जागरूक किया गया। इस श्रमदान का मुख्य उद्देश्य है कि कवर्धा शहर को एक स्वच्छ, सुंदर और विकसित नगर के रूप में स्थापित करना। उन्होनें कहा कि विकसित भारत की कल्पना तभी साकार होगी जब हमारे शहर के साथ-साथ प्रत्येक वार्ड, शासकीय कार्यालय, मंदिर, बाजार व अन्य सार्वजनिक स्थल स्वच्छ और सुनियोजित हों।

स्कूल कॉलेजों को भी पत्र लिखा-

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने बताया कि वर्तमान में ''हर घर तिरंगा'' एवं तिरंगे के सम्मान हेतु चल रहे कार्यक्रम में स्कूलों की सक्रिय सहभागिता रही है। स्वतंत्रता दिवस के पावन अवसर पर, कवर्धा नगर को कूड़े से आज़ादी दिलाने हेतु एक विशेष महा-अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य है ''कवर्धा को सबसे स्वच्छ, सुंदर और कूड़ामुक्त बनाना। उन्होनें बताया कि नगर पालिका परिषद कवर्धा द्वारा 9 से 14 अगस्त 2025 तक विभिन्न स्वच्छता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं जिसमें 11 को अपने विद्यालय/महाविद्यालय परिसर की संपूर्ण स्वच्छता करें। यह दिवस ऋविद्यालय को कूड़े से आज़ादी देने के रूप में मनाया जाएगा। 12 को विद्यालय/महाविद्यालय के निकटवर्ती सार्वजनिक स्थलों जैसे मंदिर, धरोहर स्थल, तालाब आदि की स्वच्छता करें। यह दिवस सामुदायिक स्थलों की सफाई को समर्पित होगा। 13 को विद्यालय के समस्त स्टाफएवं छात्र-छात्राएं आसपास की सड़के जो आपके विद्यालय महाविद्यालय से लगी हुई हो उसकी सफाई करें और एक सामूहिक शपथ लें ''मैं स्वयं कूड़ा नहीं फेंकूंगा, न ही किसी को फेंकने दूंगा। मेरा कवर्धा मेरी ज़िम्मेदारी। उन्होने कहा कि कार्यक्रम में सहभागिता से यह अभियान एक जन-आंदोलन बनकर कवर्धा को एक आदर्श नगर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम होगा।

नपाध्यक्ष चंद्रप्रकाश की अपील- शासकीय विभागों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों, स्कूल के प्राचार्य व प्रधानपाठको से अपील करते हुए कहा कि इस स्वच्छता श्रमदान अभियान में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें तथा अपने-अपने विभागों में कार्यरत अधिकारी-कर्मचारियों के माध्यम से दिनांक 09 अगस्त से 14 अगस्त 25 तक स्वच्छता श्रमदान करके से नागरिकों को प्रेरित करे एवं इस संकल्प में सहभागी बने।

आदिवासी समाज की परंपराएं, संस्कृति और योगदान हमारी धरोहर : चातुरी नंद

- विश्व आदिवासी दिवस समारोह में विधायक चातुरी नंद एवं फुलझर स्टेट के राजा एवं पूर्व मंत्री राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह शामिल

सरायपाली(समय दर्शन)। सरायपाली मंडी परिसर में सर्व आदिवासी समाज द्वारा आयोजित विश्व आदिवासी दिवस समारोह में विधायक चातुरी नंद और फुलझर स्टेट के राजा एवं पूर्व मंत्री राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह शामिल हुए।

कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा आदिवासी समाज के इष्टदेव बूढ़ा देव की पूजा-अर्चना से की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक चातुरी नंद ने कहा कि आदिवासी समाज की परंपराएं, संस्कृति और योगदान हमारी धरोहर हैं, जिन्हें संरक्षित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने समाज की एकजुटता और अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत रहने का संकल्प भी व्यक्त किया।

कार्यक्रम को फुलझर स्टेट के राजा एवं पूर्व मंत्री राजा देवेन्द्र बहादुर सिंह ने भी संबोधित किया। उन्होंने अपने संबोधन में आदिवासी समाज को एकजुट होकर अपने हक अधिकार की लड़ाई लड़ने की बात कही।

कार्यक्रम में आदिवासी समाज की बच्चियों ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुतियां दी और खूब तालियां बटोरी।

कार्यक्रम में विधायक प्रतिनिधि जनपद सदस्य घसिया सिदार, पूर्व पार्षद सुरेश भोई आदिवासी समाज के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

संक्षिप्त-खबर

साल्हेझरिया स्कूल मे रक्षाबंधन पर्व मनाया गया

बसना (समय दर्शन)। शासकीय प्राथ. उच्च प्राथमिक विद्यालय साल्हेझरिया में भाई बहन के अगाध प्रेम एवं अटूट विश्वास का प्रतीक,महा पर्व रक्षाबंधन धूमधाम से मनाया गया।सर्वप्रथम अन्नपूर्णा बुड़ेक (प्रधानपाठक) द्वारा शिक्षकों छात्रों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना देते हुए कहा कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सौभाग्य लाए समाज में सद्भाव सौहाद्र सौहार्द व सहयोग की भावना और अधिक सशक्त हो इस संदेश के साथ पुरंदर डड़सेना द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ शाला के सभी बहनों ने सभी भाइयों को तिलक लगाकर राखी बाँधी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की साथ ही साथ सभी भाई ने बहनों को मिठाई खिलाकर जीवन भर रक्षा करने का संकल्प किया। शाला की शिक्षिका सत्यभामा कुमार कल्पना प्रधान अन्नपूर्णा बुड़ेक ने अपने शिक्षक भाइयों पुरंदर डड़सेना तेजसिंह सिदार गनपत सिन्हा को तिलक लगाकर राखी बाँधी मिठाई खिलाकर एवं उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए दीर्घायु जीवन की प्रार्थना की। इस अवसर पर सभी छात्रगण बहुत खुश थे।

पाटन वार्ड क्रमांक 4 में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन

पाटन (समय दर्शन)। नगर पंचायत पाटन के वार्ड क्रमांक 4 में सीसी रोड निर्माण कार्य का भूमिपूजन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले के द्वारा विधिवत पूजा अर्चना कर किया। यह विकास कार्य वार्डवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांगों के समाधान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर अध्यक्ष योगेश निक्की भाले ने कहा कि पाटन नगर के हर वार्डों एवम नगर में सुविधाएं पहुँचाना हमारा संकल्प है। भाजपा सरकार की सेवा और सुशासन की नीति को जन-जन तक पहुंचाने का हमारा प्रयास लगातार जारी रहेगा। सीसी रोड बनने से वार्डवासियों को आवागमन में सुविधा होगी और जलभराव की समस्या से भी राहत मिलेगी। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष श्री योगेश निक्की भाले, उपाध्यक्ष श्रीमती निशा सोनी जी,वार्ड पार्षद एवम सभापति नेहा बाबा वर्मा,लोक निर्माण प्रभारी केवल देवांगन,सभापति जितेन्द्र निर्मलकर, देवेन्द्र ठाकुर,पार्षद चंद्रप्रकाश देवांगन,मुख्य नगर पालिका अधिकारी, कर्मचारीगण, भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारीगण सहित गणमान्य नागरिकों एवम वार्डवासियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कानाकोट पहुंचे सांसद विजय बघेल, शोक संतप्त परिवार से किया मुलाकात

पाटन (समय दर्शन)। सांसद विजय बघेल आज ग्राम कानाकोट पहुंचे वहां पर वे अजय ठाकुर के निवास स्थान पर पहुंचकर अजय ठाकुर के पुत्र को श्रद्धा सुमन अर्पित किया। साथ ही शोकाकुल परिवार से मुलाकात भी किया। इस अवसर पर सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक सहित अन्य मौजूद रहें।

जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने भाजपा नेता जितेंद्र वर्मा को दी जन्म दिन की बधाई

पाटन (समय दर्शन)। जनपद पंचायत पाटन के अध्यक्ष श्रीमती कीर्ति नायक उपाध्यक्ष कमलेश वर्मा जनपद प्रतिनिधि राकेश आदिल सहित अन्य सदस्यों ने भाजपा नेता जितेंद्र वर्मा को जन्मदिन की बधाई दी है। नगर पंचायत पाटन के अध्यक्ष निक्की भाले के द्वारा देवांगन भवन में आयोजित जन्म उत्सव समारोह में पहुंचकर उन्होंने बधाई शुभकामनाएं प्रेषित की है। इस अवसर पर कई भाजपा नेता भी मौजूद रहे।

सिद्ध पीठ महिमा आश्रम दुरूगपाली मे दो दिवसीय अखण्ड ब्रह्म यग्य

अभय धृतलहरे बसना (समय दर्शन) 999 9बसना विकास खण्ड के ग्राम दुरूगपाली के सिद्ध पीठ महिमा आश्रम सैकड़ो वर्षों से आस्था और श्रद्धा का केन्द्र है।यह पीठ कालान्तर में धर्म और संस्कृति का अद्भुत संगम हुआ करता था । यहां अमावस्या ,पूर्णिमा, संक्रान्ति मे ब्रह्म अवधूत सिद्ध साधुओं का सम्मेलन होता था। जहां धर्म-संस्कृति जागरण के लिए प्रचार प्रसार के साथ समय-समय पर व्याख्यान एवं महिमा धर्म की दीक्षा शिक्षा का केन्द्र हुआ करता था ।सैकड़ों वर्षों पहले ब्रह्म अवधूत बाबा कृपासिन्धू ने ढेन्कानाल जोरोन्दा महिमा गुरू गद्दी से तीर्थाटन एवं महिमा धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए मध्य प्रान्त, कोशल,महाकोशल का प्रवास मे इस क्षेत्र का भ्रमण किया उस समय आज के राष्ट्रीय राज मार्ग महज पगडंडी हुआ करता था। तब ग्राम के मालगुजार ने पूजा पाठ करने ,धुनी मंदिर, नीति मंदिर के साथ कुछ एकड जमीन दान मे दिये ।

बाबा कृपासिन्धु के बाद छोटे या द्वितीय कृपासिन्धू बाबा ने इस आश्रम की गतिविधियों को आगे बढाया। तत्पश्चात बाबा हिन्गलदास ने महिमा धर्म की शाख को सुनिश्चित किया । बाबा हिंगलदास के बाद ब्रह्म अवधूत बाबा मनबोध दास ने दुरूगपाली के इस केन्द्र के नाम को खूब बुलंदियों तक पहुँचाया ,उन्होंने दुरूगपाली के साथ गनेकेरा,पाटनदादर मे भी अलेख सम्प्रदाय का केन्द्र स्थापित किया ,,और ग्राम के गौटिया व भक्तों के सहयोग से आश्रम के चारों ओर आहता व मठ मंदिर का नवनिर्माण करवाया गया ।

बाबा मनबोध दास जी के निर्वाण के बाद उनके शिष्य बाबा जटीदास एवं चैतनदास बाबा ने संयुक्त रूप से अपने प्रयास से क्षेत्र का भ्रमण कर धर्म जागरण की गति को बढाया। बाबा जटीदास व चैतनदास के निर्वाण के बाद वर्तमान में बाबा घासीदास, रामेश्वर दास एवं बाबा योगेन्द्र दास मठ के प्रभारी हैं ।

दिनांक 8अगस्त 2025 एवं 9अगस्त 2025 को दो दिवसीय अखण्ड विश्व शांति ब्रह्म यग्य अनुष्ठान का आयोजन नवान्न ग्रहण के अवसर पर रखा गया ।

जहां सैकड़ों भक्त वृन्द ने भाग लिया । दोनो दिन धर्म जागरण हेतु सभा हुआ । रात्रि में भजन, सत्संग एवं मोक्ष दायिनी प्रवचन

हुआ । महिमा सन्यासी बाबा योगेन्द्र दास ने सभा को सम्बोधित कर नव जागृत किया । यग्य अनुष्ठान पूर्णाहुति पश्चात महाभण्डारा के बाद कार्यक्रम का समापन हुआ । इस आयोजन में मुख्य रूप से ब्रह्म अवधूत बाबा घासीदास,महिमा सन्यासी बाबा योगेन्द्र दास, बाबा माधवदास, पं. फुल्ल दास,सौकीदास,सुरेन्द्र भगत,मोहन त्यागी,ग्राम प्रमुख दक्ष प्रधान, विश्वनाथ प्रधान,भोला पाण्डे, दिग्विजय प्रधान,श्रवण प्रधान, मधुमंगल प्रधान, चितरंजन, भोलानाथ पाण्डे,रोहित विक्रम , सुन्दर लाल बरिहा, संतराम पटेल, भागीरथी साहू, मोहित,श्याम भोई, कृपासिन्धू साहू, नयन प्रधान, पवित्रो बारीक,सत्यनारायण, भानू राणा,प्रहल्लाद साहू,चतुर्भुज राकेश कैलाश प्रधान,अनन्त अनिल प्रधान, मोहन डडसेना, श्रीवत्स प्रधान, गुणाकर साहू,लाल बिहारी साहूआदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहकर सेवा दिये ।

निशुल्क नाक कान गला रोग जाँच परामर्श शिविर

बसना (समय दर्शन)। अग्रवाल नर्सिंग होम बसना में 11 अगस्त 2025 को निशुल्क नाक कान गला रोग जाँच परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में डॉ. महेंद्र धनवे, ख्स्-ईएनटी सर्जन द्वारा नाक कान गला से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों का निशुल्क जाँच एवं परामर्श किया जाएगा।

शिविर की विशेषताएं:
- नाक कान गला से संबंधित सभी प्रकार की बीमारियों का निशुल्क जाँच एवं परामर्श
- टॉन्सिल का बढ़ना, आवाज में परिवर्तन, मुँह एवं गले के कैंसर, नाक की तिरछी हड्डी, नाक में मस्सा, होना, कान के पर्दे में छेद, बहरापन, कान से मवाद आना इत्यादि बीमारियों का इलाज
- आवश्यकता अनुसार निशुल्क जाँच एवं दवाइयाँ वितरण

शिविर का समय और स्थान:
- तिथि: 11 अगस्त 2025
- समय: सुबह 9 बजे से दोपहर 3 बजे तक
- स्थान: अग्रवाल नर्सिंग होम बसना

राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर में छत्तीसगढ़ से महासमुंद की दिव्या रंगारी शामिल

- दिव्या रंगारी राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रशिक्षण शिविर के लिए चेन्नई रवाना
- कलेक्टर विनय लंगेह ने दिया बधाई

महासमुन्द (समय दर्शन)। महासमुंद की दिव्या भारतीय बास्केटबॉल टीम के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में स्नड्डक्क अंडर 16 एशियन वूमेंस चैंपियनशिप 2025 का आयोजन मलेशिया में होने वाली 14 से 20 सितम्बर 2025 तक आयोजित किया जाना है। जिसके लिए बास्केटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 10 अगस्त से 12 सितंबर 2025 तक नेशनल स्पोर्ट्स सेंटर चेन्नई में आयोजित किया गया है। छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन द्वारा छत्तीसगढ़ से एकमात्र बास्केटबॉल खिलाड़ी महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी पिता विनोद रंगारी शामिल होने आज चेन्नई के लिए रवाना हुई। एशिया कप स्नड्डक्क क्वालिफायर चैंपियनशिप मालदीप में दिव्या ने स्वर्ण पदक जीता - साऊथ एशियन जोन की टीम का चयन हेतु अंडर 16 एशिया कप स्नड्डक्क क्वालिफायर बास्केटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 12 से 15 जून 2025 तक मालदीप में आयोजित किया गया था जिसमें भारतीय टीम ने बेहतर प्रदर्शन करने के साथ चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता एवं एशियन चैंपियनशिप मलेशिया के लिए क्वालीफाई किया था। भारतीय टीम में महासमुंद छत्तीसगढ़ से दिव्या रंगारी ने अपना बेहतरीन प्रदर्शन किया। दिव्या रंगारी मिनी स्टेडियम महासमुंद में नियमित अभ्यास करते हुए राष्ट्रीय चैंपियनशिप में शामिल होने के साथ ही इंडिया टीम में जगह बनाने में सफल रहीं हैं। भारतीय टीम का राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर होने के पश्चात् भारतीय टीम स्नड्डक्कअंडर 16 एशियन वूमेंस चैंपियनशिप 2025 मलेशिया में दिनांक 14 से 20 सितम्बर तक आयोजित किया जाएगा जिसमें भारतीय टीम साऊथ एशियन जोन की टीम से शामिल होगी। इससे पहले दिव्या ने 48 वीं सब जूनियर नेशनल बास्केटबॉल चैंपियनशिप अगस्त 2023 पांडिचेरी में छत्तीसगढ़ की बालिका टीम से खेलते हुए स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही हैं जिसमें दिव्या ने अच्छा प्रदर्शन किया था। महासमुंद जिले में बास्केटबॉल खेल का अभ्यास प्रतिदिन स्थानीय मिनी स्टेडियम महासमुंद में किया जाता हैं जिसमें आसपास क्षेत्र के ग्रामीण क्षेत्रों एवं शहरी क्षेत्र के बच्चे शामिल होते हैं। जिले के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय बास्केटबॉल प्रतियोगिता में भागीदारी करने के साथ ही पदक जीतने में सफल रहे हैं। जिले से बास्केटबॉल खेल में राष्ट्रीय प्रतियोगिता में शामिल खिलाड़ी आशीष शर्मा, आदित्य पटेल, आयुष कन्नौजिया, प्रीतम कन्नौजे, समीर कोसरे, शशांक चतुर्वेदी, हिमांशु सिंह, सिद्धार्थ चंद्राकर, अभिषेक अंबिलकर, ओजस्वी चंद्राकर, योजना रंगारी, स्वाति, निधि राजपूत, श्रेया घोष, राइमा दास आदि ने भागीदारी की है। भारतीय बास्केटबॉल टीम में छत्तीसगढ़ से महासमुंद जिले से दिव्या रंगारी के स्नड्डक्कअंडर 16 एशियन वूमेंस चैंपियनशिप 2025 के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविर में शामिल होने पर छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ के विभिन्न पदाधिकारी राजीव जैन अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ, चेयरमैन विजय अग्रवाल, नरेश डाकलिया कार्यकारी अध्यक्ष छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ, राजीव चौबे, सजी थॉमस छत्तीसगढ़ प्रदेश बास्केटबॉल संघ कोषाध्यक्ष, आर.एस गौर अन्तर्राष्ट्रीय कोच, जे वेणु, एन के बंछोर, परविंदर सिंह, साहीराम जाखड़, जसवंत सिंह खालसा, सरजीत चक्रवर्ती, धीरज गोयल, रवि भगत, राजेंद्र यादव, विधायक महासमुंद योगेश्वर राजू सिंहा, जिलाध्यक्ष येतराम साहू, उपाध्यक्ष आनंद साहू, डॉ. रश्मि चंद्राकर, नगर पालिका अध्यक्ष निखिल साहू, कलेक्टर विनय कुमार लंगेह, सीईओ रमेश नंदनवार, जिला शिक्षा अधिकारी विजय कुमार लहरें, नुरेन चंद्राकर अध्यक्ष जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद, गौरव चंद्राकर चेयरमैन जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद, शुभम तिवारी सचिव जिला बास्केटबॉल संघ महासमुंद, मनीष श्रीवास्तव, बादल मक्कड़, संतोष कुमार सोनी, खेल अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण मनोज धृतलहरे, किरण महाडीक, पिता विनोद रंगारी, माता सपना रंगारी, सुभाष मंडल, विवेक मंडल, अभिषेक अंबिलकर, कुलेश्वर चंद्राकर, निखिल चंद्राकर, विकास सोनी, पुरन साहू, आकाश सोनी, योजना रंगारी, तारणी साहू, सौम्या, श्रेया घोष, राइमा दास ने शुभकामनाएं दीं।

विश्व आदिवासी दिवस पर सरायपाली में गरिमामय आयोजन, संगम सेवा समितिके संस्थापक प्रखर अग्रवाल की सक्रिय भागीदारी

सरायपाली नृपनिधी पाण्डेय (समय दर्शन) विश्व आदिवासी दिवस के अवसर स्थानीय सराईपाली नयी मंडी में भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें आदिवासी संस्कृति, परंपराओं और अधिकारों को सम्मानित करने हेतु विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ और विचार गोष्ठियाँ आयोजित की गईं।इस अवसर पर संगम सेवा समिति के संस्थापक एवं भारतीय जनता पार्टी के सक्रिय कार्यकर्ता प्रखर अग्रवालने कार्यक्रम में भाग लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। उन्होंने आदिवासी समाज के योगदान को रेखांकित करते हुए कहा, आदिवासी समुदाय हमारी सांस्कृतिक जड़ों का अभिन्न हिस्सा है। उनके संरक्षण और सशक्तिकरण के लिए हम सभी को मिलकर कार्य करना होगा। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और युवाओं की भी उल्लेखनीय भागीदारी रही। आदिवासी समाज के युवक युवतियों द्वारा नृत्य, प्रदर्शनी और पारंपरिक पोशाक ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया।प्रखर अग्रवाल की उपस्थिति ने युवाओं को प्रेरित किया और सम्मानीय मंच द्वारा संगम सेवा समिति द्वारा चलाए जा रहे सामाजिक अभियानों की सराहना भी की गई। श्री अग्रवाल ने सरकार द्वारा आदिवासी वर्ग एवं आदिवासी बच्चों के लिए शिक्षा और स्वास्थ्य संबंधी चल रही सरकारी योजनाओं की जानकारी भी साझा की।प्रखर ने आदिवासी समाज को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का शीर्ष से लेकर ग्रामीण स्तर तक का नेतृत्व हमेशा आदिवासी समाज के हक़ के लिए तत्पर है आज भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में ही छत्तीसगढ़ के मुख्य मंत्री आदिवासी समाज से। है एवं गर्व की बात है कि हमारे देश की राष्ट्रपति भी आदिवासी समाज से ही आती है अंत में प्रखर ने कहा कि मैं अन्य सभी समाज की ओर से आदिवासी समाज के सामाजिक योगदान के लिए धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ

अवैध शराब के खिलाफ ग्रामीण हुए लामबंद

- ग्राम पंचायत सरकड़ा में अवैध शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध
- पिथौरा क्षेत्रान्तर्गत के ग्राम पंचायत सरकडा मे अवैध शराब बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध की दिशा मे ग्रामीणों ने उठाया कदम

पिथौरा (समय दर्शन)। महासमुंद जिले के पिथौरा शहर से लगे ग्राम पंचायत सरकड़ा में सरपंच श्रीमती प्रियंका अमित सिन्हा एवं ग्राम वासियों ने यह निर्णय लिया है कि पंचायत में अवैध शराब की बिक्री पर पूर्ण प्रतिबंध होगा।

शराब बेचने वाले हो जाएं सचेत,, अगर 15 अगस्त से पहले शराब बेचते नजर आए तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी यह कहना है ग्राम पंचायत सरकड़ा के सरपंच का। अवैध शराब के कारण गांव का माहौल खराब हो रहा है छोटे-छोटे बच्चे शराब पीना सीख रहे हैं लड़ाई झगड़ा कर रहे हैं गाली गलौज कर रहे हैं गली मोहल्ले में गुजारना मुश्किल हो रहा है।

ग्राम पंचायत के द्वारा एक निर्णय भी लिया गया कि, ग्राम सरकड़ा में अवैध शराब विक्रय करते पाए जाने पर अवैध शराब विक्रय करने वालों को ग्रामीण स्तर पर 51000रू ग्राम विकास समिति में देना होगा।

जिसमें अवैध शराब विक्रय की जानकारी देने वाले को 21000 देकर सम्मानित किया जाएगा । वहीं से ?30000 मे से 15000 रुपए ग्राम के फंड में और 15000 ग्राम पंचायत के आकस्मिक फंड में रखा जाएगा ।

दूसरा निर्णय लिया गया कि ग्राम सरकड़ा में शराब के नशे में कोई भी व्यक्ति द्वारा गली मोहल्ले में दंगा फसाद करते पाए जाने पर ग्राम पंचायत को 21000 देना होगा, जिसमें सरपंच एवं ग्राम प्रमुखों को दंगा फसाद किए जाने वालों की जानकारी दिए जाने वाले पर 11000 प्रदान किये जाएगा। एवं उसमे से 10000 का ?5000 ग्राम समिति फंड में एवं ?5000 ग्राम पंचायत आकस्मिक फंड में रखा जाएगा। यह निर्णय सर्व सहमति से ग्राम पंचायत सरकड़ा के सरपंच श्रीमती प्रियंका अमित सिन्हा की अध्यक्षता एवं ग्राम वासियों की उपस्थिति में लिया गया है।

15 अगस्त से पहले अवैध शराब बेचने वाले हो जाए सचेत ?
नहीं तो होगी कार्रवाई !

-प्रियंका अमित सिन्हा
सरपंच ग्राम पंचायत सरकड़ा

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित। संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27